प्रगति–5

2018-2019

हिंदी

कक्षा- VI

बिक्री के लिए नहीं

सौजन्य से :
दिल्ली पुस्तक ब्यूरो

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् दिल्ली

GNCT OF DELHI
शिक्षा निदेशालय
रा.रा.क्षे., दिल्ली सरकार

जून, 2018

2,26,000 प्रतियाँ

उत्पादन मंडल

अनिल कुमार शर्मा
दीपक तंवर

दिल्ली पाठ्य पुस्तक ब्यूरो में अनिल कौशल, सचिव, दिल्ली पाठ्य पुस्तक ब्यूरो, 25/2, पंखा रोड, संस्थानीय क्षेत्र, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित तथा मैसर्स अरिहन्त ऑफसैट, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित।

भूमिका

प्रगति के लक्ष्य को साथ लेते हुए पाँचवी श्रृंखला में निष्ठा समूह को केन्द्रित कर पाठ्य पुस्तक वसंत से कुल 12 पाठों को ही संकलित किया गया है। प्रगति बच्चों से संवाद करती हुई दिखाई देती है। इसमें अध्यापक–अध्यापिकाओं के मार्गदर्शन की भी समान आवश्यकता है, जैसे प्रगति में दी गई विभिन्न गतिविधियाँ समूह में चर्चा के आधार पर भी कारयी जा सकती है इसलिए उनका कक्षागत उचित मार्गदर्शन के साथ होना उपयुक्त है। मौलिक एवं तार्किक चिंतन, उनकी रचनाशीलता और सृजनात्मकता के विकास हेतु 'प्रगति' में सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रयास किया गया है।

हिंदी शब्दकोश की प्रासंगिकता को बनाये रखने के लिए कक्षा–6 की प्रगति में नये शब्दों के अर्थ जानने के लिए कुछ रोचक गतिविधियों को सम्मिलित किया गया है। इन गतिविधियों को सामूहिक अथवा व्यक्तिगत रूप में कराकर, शब्दकोश के प्रयोग को प्रोत्साहित किया जाए। इसके साथ–साथ पठन के लिए रोचक सामग्री के रूप में कॉमिक कोना को प्रायोगिक दृष्टि से शामिल करने का प्रयास किया गया है।

प्रगति श्रृंखला–5 के सन्दर्भ में आपके सुझाव **pragatihindidelhi@gmail.com** पर आमंत्रित हैं।

संपादन समूह

iuoh{k.k%

डॉ. शारदा कुमारी (वरिष्ठ प्रवक्ता) एवं सुश्री लक्ष्मी पाण्डेय (प्रवक्ता) मंडल शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, आर. के. पुरम, नई दिल्ली

ijko/ku ,o l iknu leg%

श्रीमती निशा जैन, मैंटर शिक्षिका, राजकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, झिलमिल कॉलोनी दिल्ली

श्रीमती आशा, मैंटर शिक्षिका, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गोयला खुर्द, दिल्ली

सुश्री शीतल, मैंटर शिक्षिका, विश्वामित्र सर्वोदय कन्या विद्यालय, पुरानी सीमापुरी, दिल्ली

श्रीमती अंजूबाला रोहिल्ला, मैंटर शिक्षिका, सर्वोदय कन्या विद्यालय, उत्तम नगर, दिल्ली

श्रीमती छवि गुप्ता, मैंटर शिक्षिक, स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, कालकाजी, नई दिल्ली

श्री भूषण लाल दत्त, मैंटर शिक्षक, सर्वोदय बाल विद्यालय, रानी गार्डन, दिल्ली

श्री हरिशंकर स्वर्णकार, मैंटर शिक्षक, राजकीय उच्चतर माध्यमिक बाल विद्यालय, वरुण मार्ग, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली

श्री अशोक कुमार, मैंटर शिक्षक, राजकीय उच्चतम माध्यमिक बाल विद्यालय नं. 2, कालकाजी, नई दिल्ली

श्री रामजी राय, मैंटर शिक्षक, राजकीय वरिष्ठ बाल विद्यालय नं. 1, सैक्टर–4, डॉ. अम्बेडकर नगर, दिल्ली

विषय सूची

Ø-l-	ikB dk uke	fo/kk	i"B la[;k
★	कॉमिक कोना-I		1—6
1.	वह चिड़ियाँ जो (कविता)	केदारनाथ अग्रवाल	7—16
2.	बचपन (संस्मरण)	कृष्णा सोबती	17—26
3.	नादान दोस्त (कहानी)	प्रेमचंद	27—35
4.	साथी हाथ बढ़ाना (गीत)	साहिर लुधियानवी	36—43
★	कॉमिक कोना-II		44—46
5.	अक्षरों का महत्त्व (निबंध)	गुणाकर मुले	47—58
6.	ऐसे–ऐसे (एकांकी)	विष्णु प्रभाकर	59—66
7.	टिकट अलबम (कहानी)	सुंदरा रामस्वामी	67—76
★	कॉमिक कोना-III		77—81
8.	झाँसी की रानी (कविता)	सुभद्रा कुमारी चौहान	82—91
9.	जो देखकर भी नहीं देखते (निबंध)	हेलन केलर	92—99
10.	मैं सबसे छोटी होऊँ (कविता)	सुमित्रानंदन पंत	100—105

★	कॉमिक कोना-IV		106–107
11.	लोकगीत (निबंध)	भगवतशरण उपाध्याय	108–115
12.	साँस साँस में बाँस (निबंध)	एलेक्स एम. जार्ज	116–124
	शब्दकोश		125–128

मिल ही नहीं रही है.....
क्या नहीं मिल रही ?
कितना ढूँढ़ लिया भाई, मिल ही नहीं रही।
पर बताओ भी ! क्या नहीं मिल रही ?
वही जो इधर-उधर उड़ती रहती है।
धूल ?

नहीं, जो पेड़ पर रहती है।
पत्तियाँ ?

नहीं भाई, जिसके पंख होते हैं।
मक्खी ?
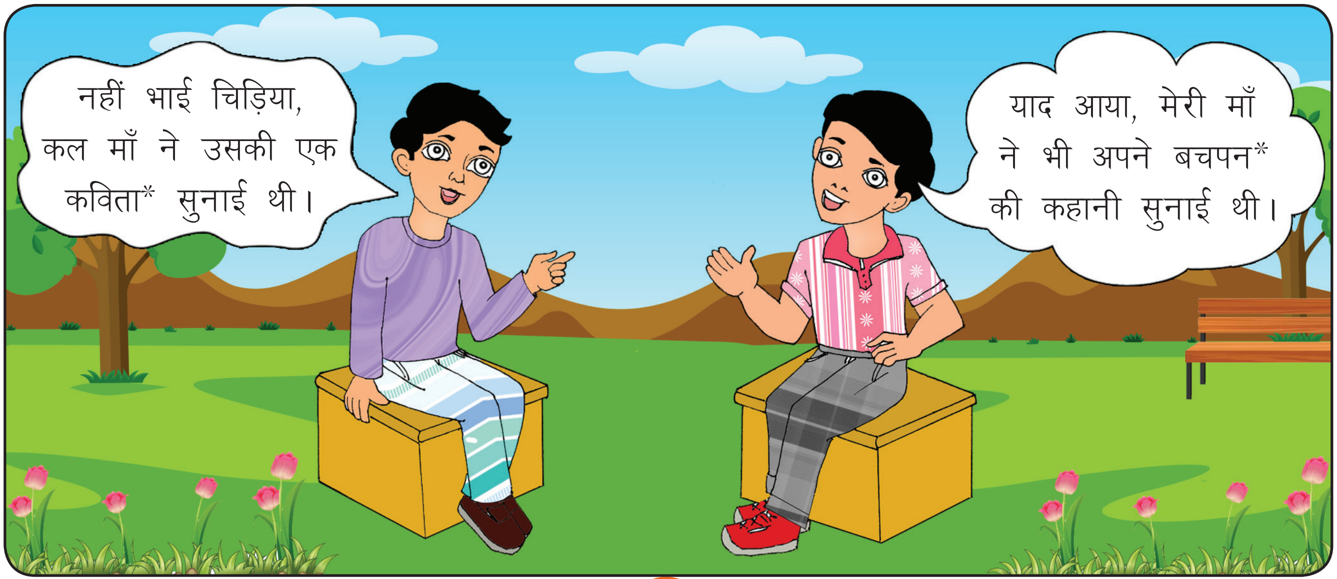
नहीं भाई चिड़िया, कल माँ ने उसकी एक कविता* सुनाई थी।
याद आया, मेरी माँ ने भी अपने बचपन* की कहानी सुनाई थी।

अरे वाह ! बचपन की कहानी..
हाँ, उस कहानी में चिड़िया हमेशा अपना काम स्वयं करती थी।
अच्छा, और क्या बताया तुम्हारी माँ ने ?
यही कि जब वह छोटी थी तो रोज़ सुबह चिड़ियों के चहकने की आवाज़ सुनकर ही जाग जाती थी।
तुम्हारी माताजी को अपने बचपन की बातें भी याद हैं।
हाँ, याद हैं।

वाह! उन्होंनें चिड़िया की आवाज़ भी सुनी है।
वो तो मैंने भी सुनी है।
कहाँ ?
अलार्म घड़ी और मोबाइल फोन में।
पर क्या तुमने असली में चिड़िया को चहकते हुए देखा या सुना है ?
मेरे मामा जी के सुंदर बगीचे में चिड़िया रहती तो थी।

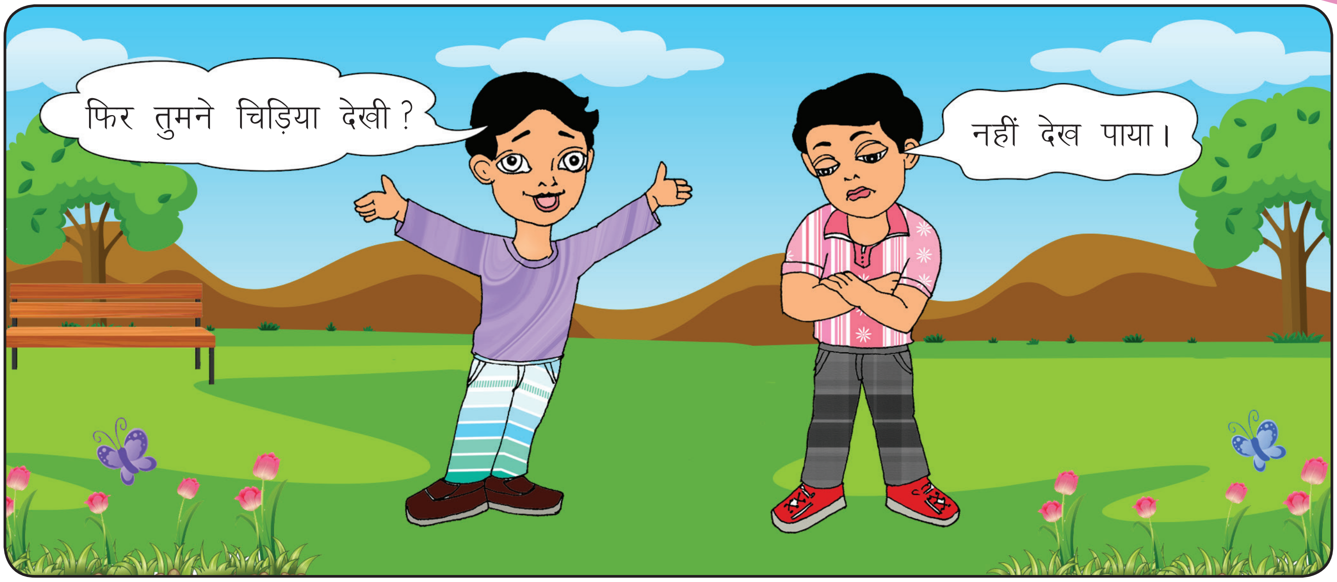
फिर तुमने चिड़िया देखी ?
नहीं देख पाया।

क्यों ?
क्योंकि जब मैं उसे देखने बगीचे में गया तो मुझे उसका घोंसला दिखा।

फिर तुम्हें चिड़िया मिली ?
नहीं मुझे उसके कुछ अंडे मिलें।

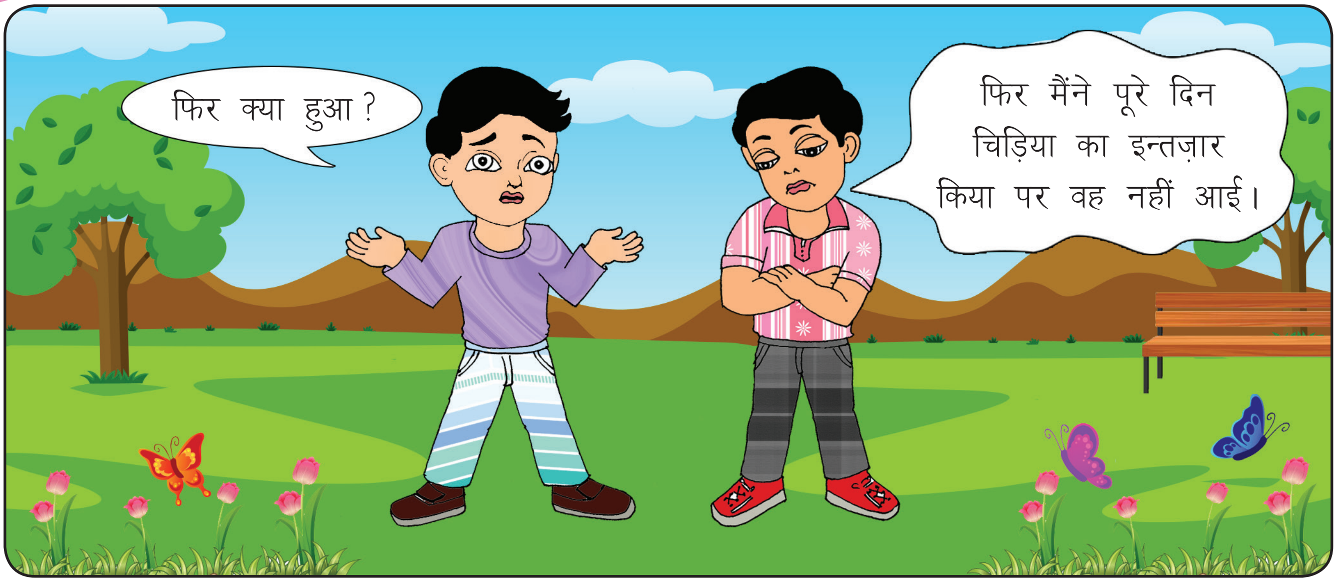

*कविता – वसंत में दी कविता 'वह चिड़िया जो'।
*बचपन – वसंत में दिया पाठ बचपन (संस्मरण)।

पाठ 1

वह चिड़िया जो

—केदारनाथ अग्रवाल

बच्चो! क्या आपने अपने आस–पास किसी चिड़िया को देखा है? आओ, अब यह देखें कि क्या वह इस कविता में दी गई चिड़िया से मिलती–जुलती है?

प्र०1 इस कविता में कुछ ऐसे नए शब्द आए हैं जो नीचे दिए गए चित्र में भी हैं, उन शब्दों को खोजकर लिखिए तथा इस पुस्तक के अंत में दिए गए शब्दकोश से उनके अर्थ ढूँढकर लिखिए-

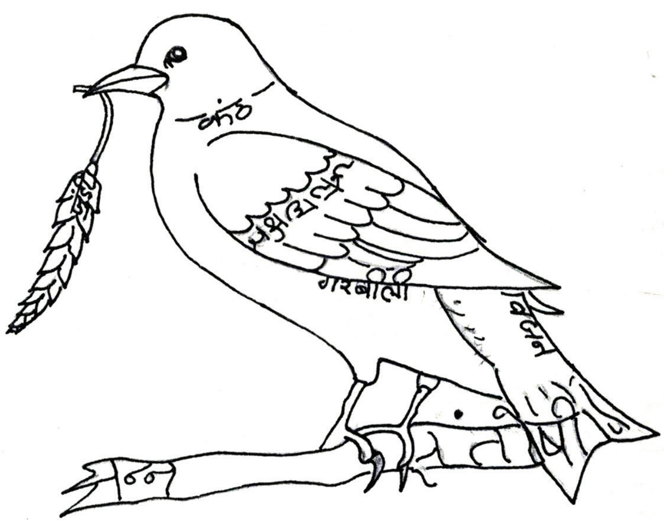

चित्र में दिए गए नए शब्द	अर्थ

प्र०2 निम्न शब्दों से आप क्या समझते हैं। सही विकल्प पर (✓) निशान लगाएँ :

(i) जुंडी

(क) गेहूँ की बालियाँ

(ख) बाजरे की बालियाँ

(ग) जौ और बाजरे की बालियाँ

(ii) चढ़ी नदी

(क) कम पानी की नदी

(ख) बहुत अधिक पानी वाली उफनती नदी

(ग) पहाड़ से उतरती नदी

(iii) जल का मोती

(क) जल की बूंद

(ख) स्वच्छ जल

(ग) चमकता जल

(iv) गरबीली

(क) गर्व करने वाली

(ख) घमंड करने वाली

(ग) दिखावा करने वाली

प्र०3 अगर आप चिड़िया होते तो क्या-क्या करते? लिखिए।

____

____

____

____

प्र०4 चिडिया चोंच मारकर क्या खा लेती है?

____

____

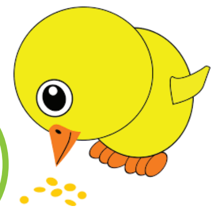

प्र०5

प्रिय बच्चो!

मुझे आपसे कुछ कहना है–

क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि आजकल चिड़ियों की संख्या बहुत कम होती जा रही है। क्या आपने जानने की कोशिश की है कि ऐसा क्यों?

आपके अनुसार क्या–क्या कारण हो सकते हैं, संकेत पेटिका की सहायता से लिखिए–

____

____

____

____

____

____

संकेत पेटिका

⇒ च्यूइंगम
⇒ मांझा
⇒ कीटनाशक
⇒ नेटवर्क टावर

प्र०6 पाठ के आधार पर कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए-

चढ़ी नदी का ____________________

जल का ____________________ जाती है

____________________ चिड़िया

____

____

प्र०7 आपने कौन-कौन से पक्षी देखे हैं, उनके नाम लिखिए।

इसमें कुछ और पक्षियों के नाम, अपने साथियों के साथ चर्चा करके लिखिए–

प्र०8 पाठ में चिडिया के लिए बहुत से शब्द प्रयोग हुए हैं, उनको नीचे दिए गए चित्र के चारों तरफ लिखिए-

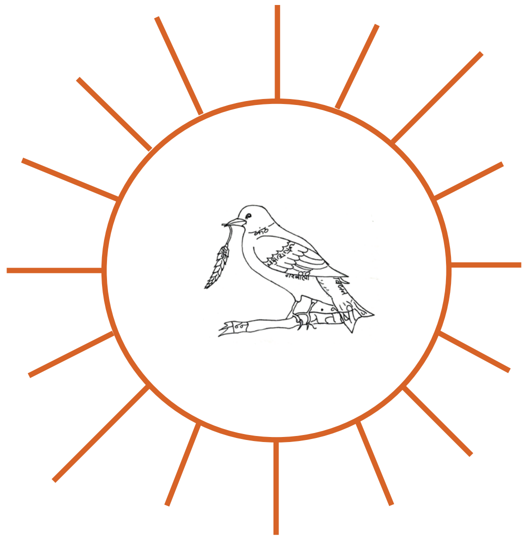

प्र०9 आओ वर्ण, स्वर एवं व्यंजन को समझें-

ज् + अ + ल् + अ = जल

र् + अ + स् + अ = रस

उपर्युक्त उदाहरणों में ज्, अ, ल्, अ का खंड या टुकड़ा नहीं हो सकता, यह सबसे छोटा रूप है।

वर्ण

हिन्दी भाषा में प्रयोग होने वाली सबसे छोटी लिखित ध्वनि (इकाई) वर्ण कहलाती है जैसे– क्, ख्, ग्, अ, इ आदि।

स्वर

जिसका उच्चारण स्वतंत्र रूप से हो वह सबसे छोटी ध्वनि स्वर कहलाती है, जैसे– अ, इ, ए आदि।

व्यंजन

वे ध्वनियाँ जिनको स्वर की सहायता से बोला जाता है; जैसे – क, ख, ज आदि।

कुछ करने को–

उदाहरण	कमल =	क् + अ + म् + अ + ल् + अ
	बालक =	___ + आ + ___ + ___ + ___ + ___
	गगन =	___ + ___ + ___ + ___ + ___ + ___

प्र०10 नीचे दी गई मात्राओं का प्रयोग करते हुए, उदाहरण के अनुसार लिखिए-

ो (ओ की मात्रा)
मोर

___
___
___

ि (इ की मात्रा)
चिड़िया

___
___
___

प्र०11 आओ संज्ञा को समझें-

चिड़िया
वन
नदी
चोंच
दूध
जुंडी

} ये सभी संज्ञा हैं

संज्ञा

किसी वस्तु, व्यक्ति, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

कुछ करने को-

पाठ में आए संज्ञा शब्दों को लिखिए:–

1. _ _ _ _ _

2. _ _ _ _ _

3. _ _ _ _ _

4. _ _ _ _ _

5. _ _ _ _

प्र०12 आओ विशेषण को समझें-

संतोषी
नीले पंखों वाली
बूढ़े
छोटी
गरबीली

} ये सभी विशेषण है।

विशेषण

संज्ञा एवं सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।

कुछ करने को-

नीचे दिए गए विशेषण शब्दों का संज्ञा शब्दों से मिलान कीजिए तथा खाली स्थान में लिखिए –

विशेषण	संज्ञा	खाली स्थान
बूढ़े	नदी	बूढ़े वन–बाबा
संतोषी	वन–बाबा	________
चढ़ी	लड़की	________
छोटी	बस्ता	________
भारी	चिड़िया	________

प्र०13 नीचे लिखे शब्दों को उदाहरण के अनुसार उल्टा लिखकर नए सार्थक शब्द बनाइए-

नदी—दीन

मार→ ___

नाच→ ___

रहा→

वन→

वाह→

ताप→

बस→

प्र०14 नीचे दिए गए स्थान में गोरैया का चित्र बनाइए एवं यह भी बताइए कि हम पक्षियों के लिए क्या-क्या कर सकते हैं?

___

___

___

___

प्र०15 खोजपरक-

चिड़िया से संबंधित कोई अन्य गीत या कविता लिखिए और सुनाइए।

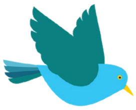

विशेषः दिल्ली का राजकीय पक्षी गोरैया है।

अधिगम संप्राप्ति

(क) कविता विधा से परिचित हो उसे अपनी भाषा में कहते एवं समझते हैं।
(ख) कल्पनानुसार लय से कविता बनाने का प्रयास करते हैं।
(ग) वर्णमाला (स्वर–व्यंजन) का अभ्यास एवं शब्द निर्माण करते हैं।
(घ) संज्ञा, विशेषण, अनुस्वार, अनुनासिक के प्रयोग से परिचित होते है।
(ङ) चित्र के बारे में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।
(च) जीव–जन्तु के प्रति अपनी संवेदनशीलता बनाए रखते हैं।

बूझो तो जानें–
सुबह–सुबह ही आता हूँ,
सबकी खबरें लाता हूँ।
सबको रहता मेरा इंतज़ार,
हर कोई करता मुझसे
प्यार।।

पाठ 2

बचपन

—कृष्णा सोबती

बच्चो! आपने अपने घर में और आस–पास छोटे–छोटे बच्चों को खेलते देखा होगा। आपके पिताजी, माताजी, दादाजी तथा दादीजी भी बचपन में कुछ इसी प्रकार खेलते होंगे। कभी–कभी आपने इस बारे में उनसे सुना भी होगा। इस पाठ में लेखिका अपने बचपन की बातों को आप तक पहुँचाना चाहती हैं। जब हम अपनी यादों को या बीती बातों को लिखते हैं या सुनाते हैं, उसे "संस्मरण" कहते हैं। आओ पाठ पढ़कर लेखिका के बचपन में झाँकें –

प्र०1 इस पाठ में 'र' वर्ण का कई रूपों में प्रयोग हुआ है। उन शब्दों की सूची बनाएँ जिसमें 'र' का अलग-अलग रूपों में प्रयोग है-

रिज़   कार्य   ग्रे   कृति   ______   ______

______   ______   ______   ______   ______   ______

प्र०2 नीचे दिए गए उदाहरण को समझते हुए बाकी शब्दों को भी पोटली से ढूढ़ँकर पूरा करो तथा पीछे दिए शब्दकोश से उनके अर्थ ढूढ़ँकर लिखिए-

रौनक ______

स______ ______

च______ ______

सर______ ______

आरा______ ______

ट्यू______ ______

आश________ ________

सु________ ________

ग्रामो________ ________

नि________ ________

रि________ ________

प्र०3 पाठ को लेखिका को अपने बचपन में से कौन-सी चीज़ें पसंद थी? उन पर गोला लगाएँ व उनका नाम भी लिखें-

____

____

____

____

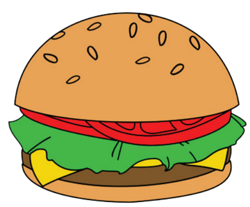
____

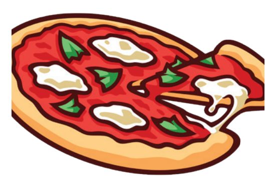
____

____

____

____

प्र०4 अपने परिवार में किसी बड़े से पूछकर लिखिए कि वे अपने बचपन में क्या-क्या चीजें खाते थे।

प्र०5 आप क्या-क्या खाना पसन्द करते हैं? नाम लिखिए।

प्र०6 क्या-क्या खाने पीने से आप स्वस्थ और लंबे होंगे, चित्र बनाइए और नाम लिखिए?

प्र०7 अपने परिवार में किसी बड़े सदस्य जैसे मम्मी-पापा, दादा-दादी आदि से उनके बचपन की बातों को सुनिए कि बचपन में वे क्या-क्या करते थे और उनकी किसी एक रोचक घटना को लिखिए-

____

____

____

____

____

____

____

____

प्र०8 सही शब्द पर '✓' लगाओ-

1. ग् + उ + ल् + आ + ब् + अ

☐ गुलाल ☐ गुड़िया ☐ गुलाम ☐ गुलाब

2. अ + ध् + इ + क् + आ + र् + अ

☐ अभिमान ☐ अधिकार ☐ अघर्म ☐ आधार

3. स् + अ + च् + च् + आ + ई

☐ सतर्क ☐ सार्थक ☐ सच्चाई ☐ सजीव

4. द् + अ + र् + द् + अ

☐ दुग्ध ☐ दवाई ☐ दर्द ☐ दुकान

प्र०9 नीचे दिए गए शब्दों में से दूसरा अक्षर या वर्ण हटाकर नया शब्द बनाइए-

किससे – किसे

चुभ़न –

सुनने –

सोचने –

देखना –

चलना –

प्र०10 अपने पाठ को ध्यान पूर्वक पढ़िए और उसमें आए हुए अंग्रेजी भाषा के शब्दों को ढूँढ़कर लिखिए और उससे एक-एक वाक्य बनाकर लिखिए-

जैसेः– फ्रॉक, ट्रेन, डॉक्टर, ____________, ____________, ____________, ____________, ____________.

वाक्य प्रयोग

____

____

____

____

____

____

____

____

प्र०11 जैसे हमने संज्ञा को समझा, आओ अब संज्ञा के भेदों को जाने-

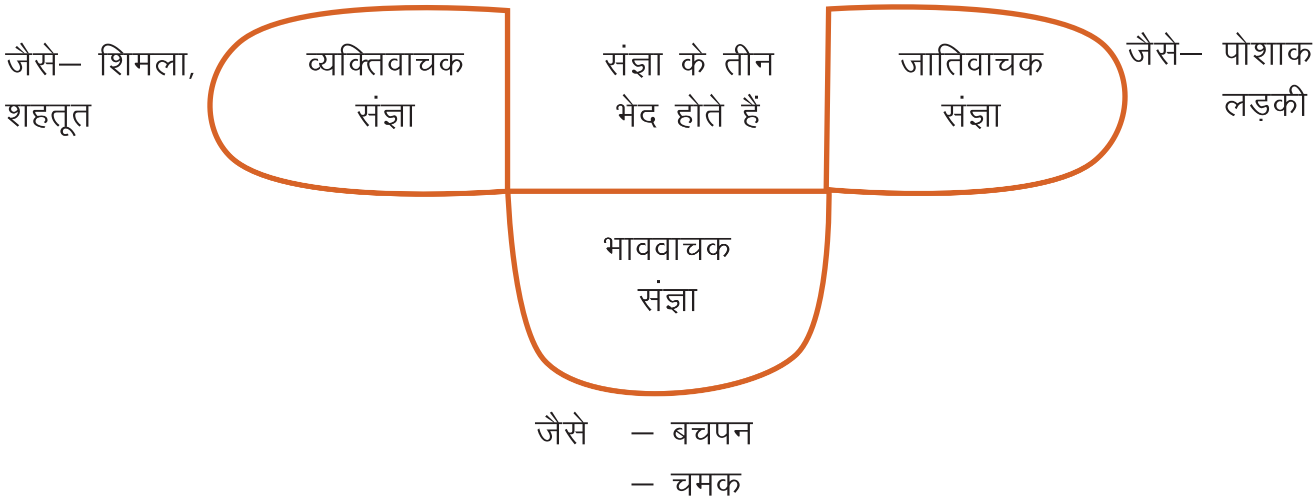

प्र०12 नीचे दिए गए चित्र में संज्ञा के भेदों के अनुसार शब्द छाँटकर लिखिए-

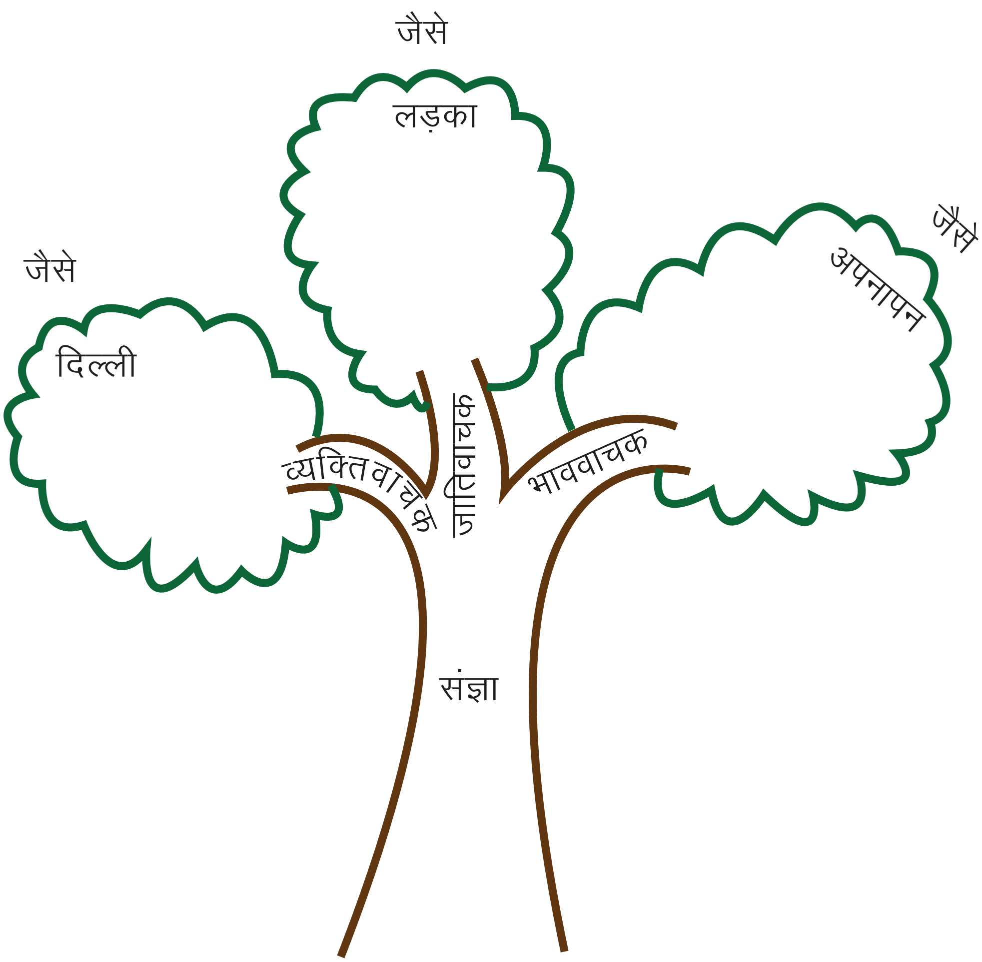

दादी, इतराना, अनार दाना, घर, नानी, बचपन, रूई, उम्र, पशु, समोसा, घोड़ा, कुर्ता, दिलचस्पी, शिमला, लहँगा, रेड़ियो, मिठास, विद्यालय, नीला।

प्र०13. आओ सर्वनाम को समझें-

<u>दादी</u> खाना खाती है।

↓

वह खाना खाती है।

सर्वनाम

संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं। जैसे–मैं, वह, आप, हम, वे, जो, कुछ, यह, कोई, कौन आदि।

कुछ करने को- नीचे दिए गए वाक्यों में आए सर्वनाम शब्दों पर घेरा लगाइए:

क) मैं तुम्हें अपने बचपन की ओर ले जाऊँगी।

ख) हम अपने मोज़े खुद धोते थे।

ग) उन पर हँसते थे।

घ) उस पर छोटे–छोटे डिब्बों वाली ट्रेन खड़ी थी।

ड.) वह चश्मा लगाती थी।

च) जो बचपन में फ्रॉक पहनती थी।

प्र०14 कुछ विशेषण शब्द ऐसे भी होते हैं जिनसे संख्या एवं परिमाण (मात्रा) का बोध होता है जैसे-

<u>दो दर्जन</u> केले

<u>दो किलो</u> चीनी

<u>पाँच</u> फूल

<u>कुछ</u> लड़के

<u>थोडे</u> चावल

अब मिलान कीजिए-

पाँच किलो	दूध
दो मीटर	केले
दस	आटा
तीन लीटर	कपड़ा
एक दर्जन	कटोरियाँ

प्र०15 नीचे एक पत्र दिया गया है जिसमें आपको अपने बचपन की किसी एक रोचक घटना के बारें में अपने मित्र को बताते हुए लिखना है तथा पत्र को पूरा करना है।

प्रिय मित्र/सखी,

आशा है कि तुम ठीक होंगे/होंगी। आज मैं तुम्हें अपने बचपन की एक रोचक घटना बताता/बताती हूँ। एक दिन

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

तुम्हारा मित्र/तुम्हारी सखी ______________________

____

प्र०16 प्रस्तुत पाठ में लेखिका को उनका चचेरा भाई लंगूर कहकर चिढ़ाता था। यदि आपको भी ऐसे कोई चिढ़ाए तो आपको कैसा महसूस होगा, लिखिए? क्या चिढ़ाना ठीक है, तर्क दीजिए?

प्र०17 प्रस्तुत पाठ की रचनाकर कृष्णा सोबती जी ने 'चना ज़ोर गरम' की पुड़िया के बारे में बताया है, आप को चना, मूंगफली, बेर, इमली से जुड़ी कोई कविता/गीत ज़रूर याद आ रही होगी। उसे लिखो।

अधिगम संप्राप्ति

(क) संस्मरण विधा से परिचित होते हैं।

(ख) पाठगत आई घटनाओं के बारे में प्रतिक्रिया दे सकते हैं।

(ग) स्मृतियों को खोजते है व मौखिक/लिखित रूप में अभिव्यक्त करते हैं।

(घ) पारिवारिक सदस्यों, संबंधों आदि के अनुभवों को समझते और साझा करते हैं।

(ङ) संज्ञा के भेदों, सर्वनाम, विशेषण के प्रयोग से परिचित होते हैं।

बूझो तो जानें–
घुसा आँख में मेरे धागा
दरजी के घर से मैं भागा

पाठ 3

नादान दोस्त

हम सभी को अपने दोस्त बहुत पसंद हैं, हम सभी अपने दोस्तों की हमेशा मदद करने के लिए भी तैयार रहते हैं। फिर चाहे, उसके लिए हमें चोट लगे, मार पड़े या कोई और नुकसान हो जाए, जैसे—केशव और श्यामा के साथ इस 'नादान दोस्त' कहानी में हुआ। उन्होंने कोशिश तो की चिड़िया के अंडों के लिए आरामगाह (घर) बनाने की, किन्तु बात उल्टी ही पड़ गई। छूने के कारण चिड़िया ने अंडों को ही घोंसले से गिरा दिया और केशव अपराधबोध से भर गया कि उसने चिड़िया के बच्चों के प्राण ले लिए। महान कथा शिल्पी प्रेमचंद जी ने इस कहानी में बाल मन को पूरी तरह खोलकर रख दिया है। केशव और श्यामा के जिज्ञासु मन के प्रश्न, उनके स्वयं ही सुझाव व हल निकालने की कोशिश, हमें अपने बचपन की छोटी—मोटी शरारतों की याद करा देती है। माता—पिता से छुप—छुपकर, अपनी समझदारी दिखाते हुए बुद्ध बन जाना और फिर रो—रोकर पछताना और नादानी करना ही—"नादान दोस्त" कहानी को मज़ेदार बनाता है, तो चलिए पढ़ें ये कहानी—

प्र०1 नीचे दिए गए उदाहरण को समझते हुए बाकी शब्दों को भी पोटली से ढूँढ़कर पूरा करो तथा पीछे दिए शब्दकोश से उनके अर्थ ढूँढ़कर लिखिए-

उदाहरणः

हिफ़ाज़त	सुरक्षा
उ__________	__________
जि__________	__________
अ__________	__________
पे__________	__________
प्रस्__________	__________
स्वी__________	__________
का__________	__________
स__________	__________
सत्या__________	__________
यका__________	__________
कि__________	__________

प्र०2 यदि केशव और श्यामा के स्थान पर आप व आपका मित्र होते तो अंडों के बारे में क्या बातचीत करते?

'मैं'– ....

'मित्र– ....

'मैं'– ....

'मित्र– ....

'मैं'– ....

'मित्र– ....

'मैं'– ....

'मित्र– ....

'मैं'– ....

'मित्र– ....

'मैं'– ....

'मित्र– ....

'मैं'– ....

प्र०3 यदि आप केशव होते तो आप चिड़िया से कैसे माफी माँगते?

पत्र लिखकर | बातचीत करके | एस.एम.एस. लिखकर

आपको इनमें से जो तरीका पसंद आया उस रूप से अपना माफीनामा यहाँ लिखें।

____

____

____

____

____

____

____

____

प्र०4 नीचे लिखे शब्दों को एक वचन और बहुवचन के मटके में डालिए-

चिड़ियाँ, बच्चे, पत्थर, अंडे, कपड़ा, टोकरी, आँखें, कार्निस, दाना, घोंसले, टहनी, धोती, विद्वानों

प्र०5 चित्र देखकर क्रिया शब्द लिखिए-

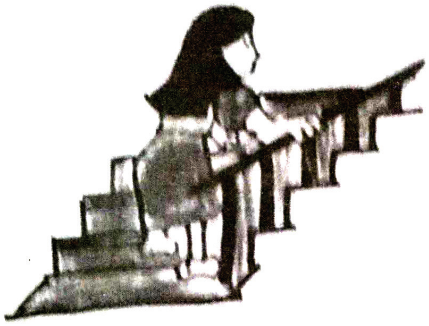

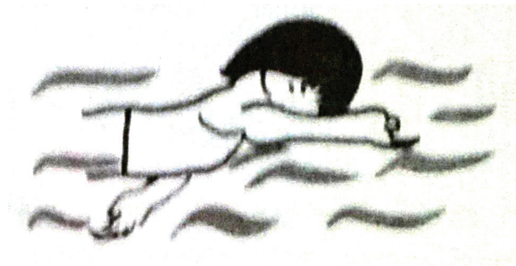

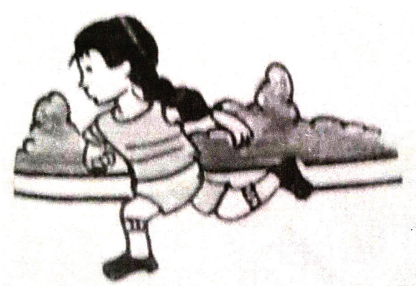

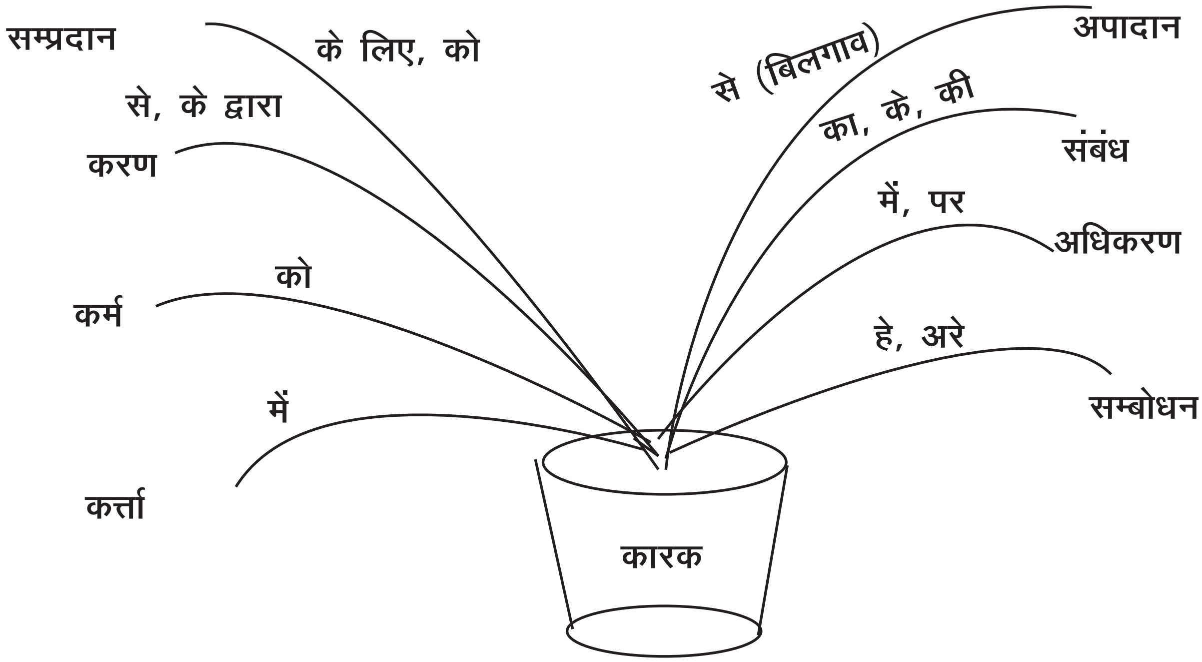

प्र०6 उचित कारक चिह्न से खाली स्थान भरो

(क) यह सीता ________________ बहन है।

(ख) मेरी बहन <u>कमरे</u> ________________ है।

(ग) मैं घर ________________ बगीचे में जाता हूँ।

(घ) मोहन ______________ सोहन ____________ कलम दी।

विराम चिह्न

⇒ जब कोई बात पूरी हो जाए या एक वाक्य समाप्त हो जाए तो पूर्णविराम [।] चिह्न का प्रयोग होता है लेकिन उसमें कोई प्रश्न हो तो प्रश्नसूचक [?] चिह्न का प्रयोग होता है।

⇒ एक से अधिक चीजों को अलग करने या बात में थोड़ा रुकना हो तो अल्पविराम [,] चिह्न का प्रयोग किया जाता है लेकिन जहाँ कुछ अधिक रूकना हो वहाँ अर्द्धविराम [;] का प्रयोग किया जाता है।

⇒ विस्मयसूचक [!] चिह्न का प्रयोग किसी बात के भाव जैसे खुशी, गुस्सा, हैरानी, डर, करुणा आदि के बोध के लिए होता है जबकि योजक [-] चिह्न का प्रयोग दो शब्दों को जोड़कर लिखने या उनके बीच संबंध दिखाने के लिए होता है।

प्र०7 अब फिर से नीचे दिए गए चित्र को देखिए तथा दिए गए चिह्नों के पास उनके नाम लिखिए।

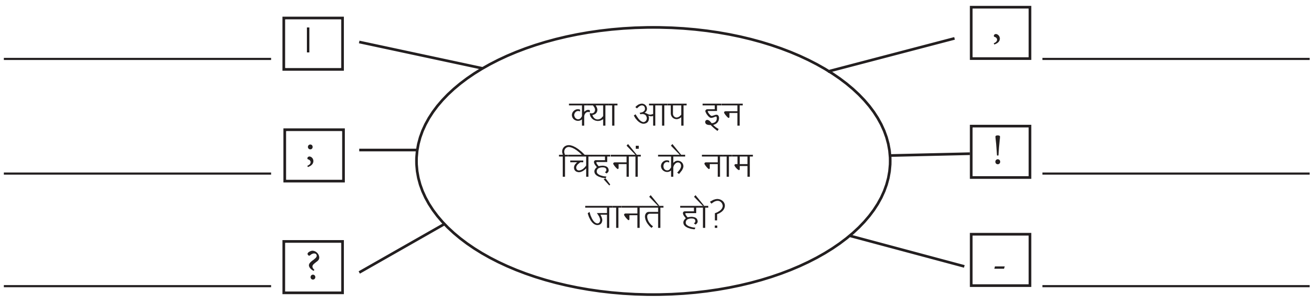

प्र०8 निम्न शब्दों के बहुवचन लिखकर वाक्य बनाएँ

चिड़िया – चिड़ियाँ दाने चुग रही हैं।

बच्चा – ....

अंडा – ....

प्याली – ....

कपड़ा – ....

छड़ी – ....

टोकरी – ....

टहनी – ....

कमरा – ....

घोंसला – ....

गद्दी – ....

कोठरी – ....

छत – ....

प्र०9 पर्यायवाची

चित्र को देखकर बताएँ कि हम इनको किस–किस नाम से पुकारते हैं। (प्रत्येक चित्र के लिए तीन–तीन बॉक्स हैं)

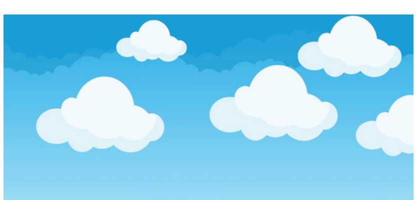

प्र०10 चित्र का नाम लिखकर कहानी पूरी कीजिए-

एक .... के नीचे 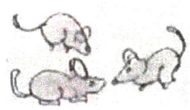 .... की सभा बुलाई

गई। 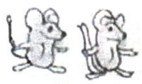 .... बड़े परेशान थे। .... के डर

से वे .... से बाहर भी निकल नहीं पाते थे। एक .

.... ने कहा कि .... के ....

में .... बाँध दो। पर .... बाँधेगा कौन?

एक . ... बोला–मैं बाधूँगा। . ... गया

.... के पास और बोला–"मौसी लो यह ....

पहन लो। बड़ी अच्छी लगेगी।"

प्र०11 क्या आपने भी कोई शरारत माता पिता से छिपकर की है। संक्षेप में लिखिए।

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

अधिगम संप्राप्ति

(क) 'कहानी' विधा से परिचित होते हैं।

(ख) विराम–चिह्नों के प्रयोग को समझ पाते हैं।

(ग) कल्पना से रचना करते हैं।

(घ) अनुभवों एवं जानकारी का प्रयोग कर वाक्य निर्माण करते हैं।

(ङ) शब्दों के अर्थ समझकर भिन्न प्रसंगों में प्रयोग करते हैं।

बूझो तो जानें–
दो सुंदर दोस्त, दोनों एक रंग के।
एक बिछड़ जाए तो, दूसरा काम न आए।।

पाठ 4

साथी हाथ बढ़ाना

बच्चो! आपने अपने आस पास कोई नया घर या कोई नयी बिल्डिंग बनते देखा होगा। घर को बनाने के लिए कई आदमी एक साथ मिलकर काम करते हैं। कोई ईंट लाता है, कोई सीमेंट लाता है और कोई उन्हें जोड़ता है। ठीक इसी तरह आपके घर में भी सारे सदस्य मिलजुलकर काम करते हैं। मिलजुलकर काम करने से बड़ा काम भी आसान बन जाता है। आपके विद्यालय में भी सभी काम एक ही आदमी नहीं करता। लोग मिलजुलकर ही काम करते हैं। आपके शहर में मेट्रो का काम चल रहा है जहाँ सैकड़ों मजदूर एक साथ मिलकर काम करते हैं। इसी तरह आप भी मिलकर काम करेंगे तो सफलता मिलेगी। आइए 'साहिर लुधियानवी' की कविता 'साथी हाथ बढ़ाना' पढ़कर समझते हैं। यह 'नया दौर' फिल्म में गाने के रूप में गाया गया है।

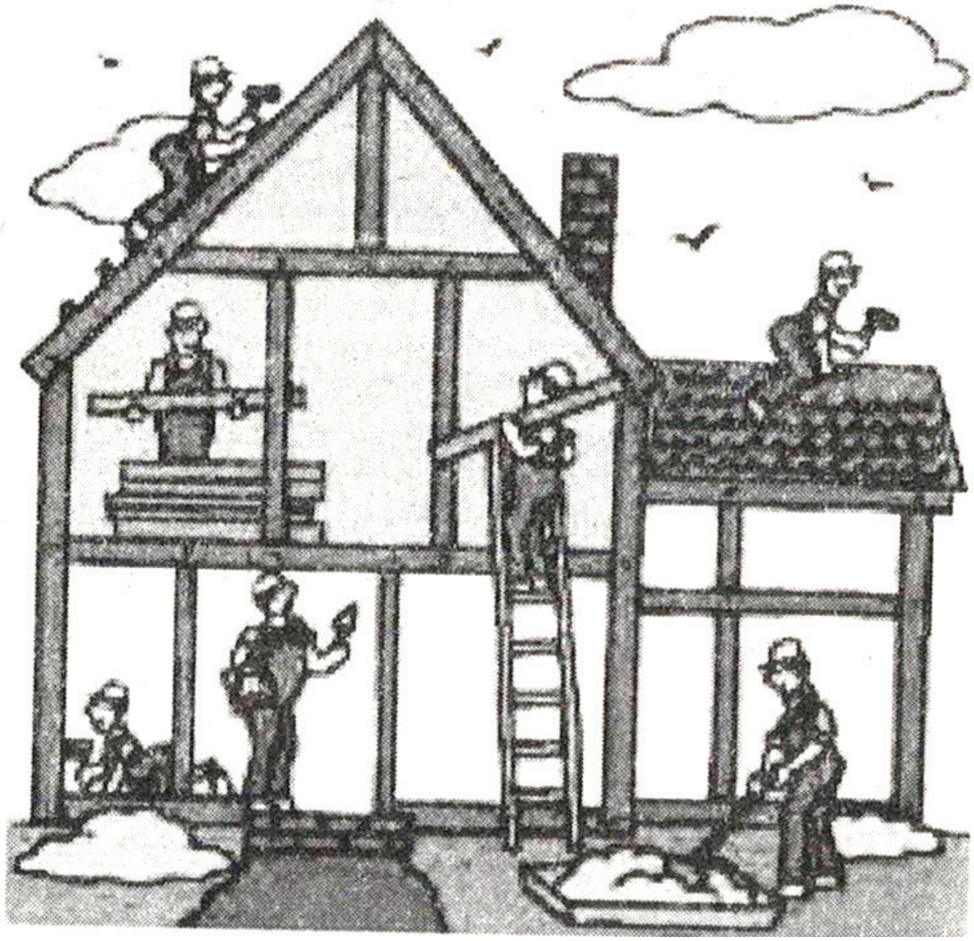

प्र०1 नीचे दिए पेड़ों से शब्द व उनके अर्थ लेकर आमने-सामने लिखो-

शब्द	अर्थ
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

प्र०2 आप अपने साथियों, परिवार के सदस्यों व पड़ोसियों से कैसी मदद लेते व देते हैं, लिखें- (कोई दो-दो कार्य लिखिए)-

साथियों से मदद लेना	परिवार के सदस्यों से मदद लेना	पड़ोसियों से मदद लेना
1.	....	....
2.	....	....

साथियों को मदद देना	परिवार के सदस्यों को मदद देना	पड़ोसियों को मदद देना
1.	....	....
2.	....	....

प्र०3 कविता की पंक्तियाँ पूर्ण करें-:

साथी हाथ बढ़ाना

एक अकेला ______________________________

साथी हाथ बढ़ाना

हम ______________________________________

____

फौलादी हैं सीने अपने, फौलादी है बाँहें

____

____

साथी हाथ बढ़ाना

प्र०4 हमें मेहनत करने से क्यों नहीं डरना चाहिए?

____

____

____

____

____

____

____

____

____

प्र०5 आपके घर में कौन, क्या-क्या काम करता है? बताइए-

माता	पिता	आप
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

प्र०6 निम्न वाक्य में निज (अपना) वाचक सर्वनाम के बॉक्स में दिए विभिन्न रूपों का प्रयोग करते हुए खाली स्थान भरो-

(i) हमें .... को बचाना है।

(ii) ....जो बने कीजिए।

(iii) सभी .... काम करें।

(iv) सभी .... बात कर रहे थे।

(v) मैं .... दोष लेता हूँ।

(vi) मुझे .... कुछ करना ही होगा।

अपने लिए	अपना	अपने पर
अपने को	अपने से	आपस में

प्र०7 अनेक क्रियाओं से भाववाचक संज्ञाएँ बनती हैं। नीचे घड़े में कुछ क्रियाएँ और भाववाचक संज्ञाएँ लिखी हैं। किस क्रिया से कौन-सी भाववाचक संज्ञा बनी है, आमने- सामने लिखिए-

क्रिया	**भाववाचक संज्ञा**
जैसे–बदलना	बदलाव
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

प्र०8 प्रत्ययों के नाम वाले फूलों में उन्ही प्रत्ययों से बने शब्द लिखो-

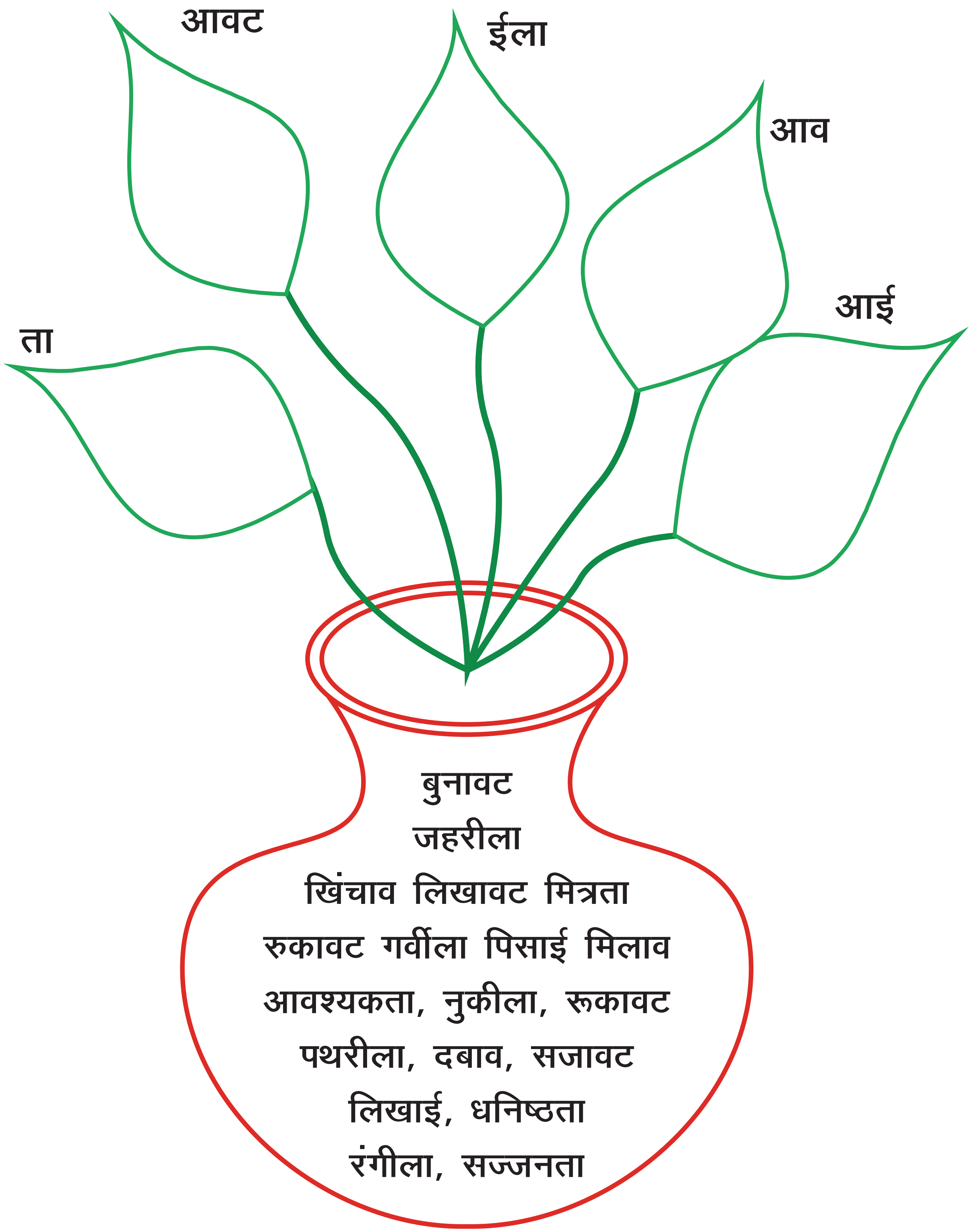

प्र०9 खंड 'क' में शब्द दिए गए हैं और खंड 'ख' में उनके पर्यायवाची शब्द दिए गए हैं। शब्दों को उनके पर्यायवाची शब्दों से मिलाइए-

'क'	'ख'
हाथ →	← पथ, मार्ग
वृक्ष →	← खग, विहग
रास्ता →	← हस्त, कर
मित्र →	← पेड़, तरू,
पक्षी →	← साथी, सखा

प्र०10 इन शब्दों के प्रचलित रूप लिखो-

परबत	________
सीस	सिर
रस्ता	________
इंसाँ	________
मुरगा	________
कुरसी	________

प्र०11 प्रत्येक पंक्ति में जो शब्द समानार्थक नहीं है उसपर गोला लगाओ-

(क)	पर्वत	पहाड़	गिरि	चोरी
(ख)	पानी	परात	जल	नीर
(ग)	इच्छा	चाह	विश्वास	अभिलाषा
(घ)	घर	भवन	विद्यालय	गृह
(च)	सूरज	दिनकर	प्रकाश	सूर्य

प्र०12 कविता को पूरा कीजिए-

हम छोटे–छोटे बच्चे
रोज पढ़ने जाते हैं।
पापा–मम्मी मेहनत करते
हर दिन स्कूल पहुँचाते हैं।
हम छोटे–छोटे बच्चे
रोज पढ़ने जाते हैं।

सरकार की इच्छा शक्ति
शिक्षा का अधिकार है।
मुफ्त वर्दी, मुफ्त किताबें
सबको ये दरबार है।

____

____

____

____

अधिगम संप्राप्ति

(क) गीत विधा से परिचित हो, उसके बारे में बातचीत करते हैं।

(ख) गीत के बारे में अपनी राय देते एवं विशेष बिन्दुओं को खोजते हैं।

(ग) भाषा की बारीकियों पर ध्यान रखते हुए उनका बोलने और लिखने में प्रयोग करते हैं।

(घ) गीत को उपयुक्त हाव–भाव के साथ सुनते–सुनाते हैं।

(ङ) अपरिचित शब्दों के अर्थ शब्दकोश में खोजते हैं।

बूझो तो जानें–
पैर नहीं, फिर भी
चलती

सुनो! क्या तुम जानते हो कि क,ख,ग..........कैसे आए?
मैं तो यह भी नही जानता कि क्यों आए?
चलो, उनसे पूछते हैं शायद वो जानते हो।
भैया, क्या आप जानते हैं कि क,ख,ग........कहाँ से और क्यों आए?
दिखता नहीं, मैं काम कर रहा हूँ? चलो, भागो यहाँ से........

वहाँ देखो.... चलो ! उनसे पूछते हैं....
अब कैसे पता चलेगा?

दीदी क्या आप जानती हो कि क,ख,ग....... कहाँ से आए और क्यों आए?
क्या तुम दोनों को दिखता नहीं, मैं काम कर रही हूँ। चलो ! भागो यहाँ से....

अब क्या करें ?
हम्म.....

***ऐसे-ऐसे – वसंत में दिया गया पाठ।, *टिकट अलबम – वसंत में दी गई कहानी।**

पाठ
5

अक्षरों का महत्त्व

—गुणाकर मुले

बच्चो! आपके पास भाषा नाम की एक बहुत ही रोमांचकारी मज़ेदार चीज़ है। इसका सहारा लेकर आप अपने मन की बातें और जरूरतें किसी दूसरे को बता पाते हैं। जब आप बोल कर अपनी बात कहते हैं तो यह मौखिक और जब अपनी इच्छा, अपना, गुस्सा, अपना विचार लिख कर बताते हैं तो यह भाषा का लिखित स्वरूप है।

इस पाठ के रचनाकार 'श्री गुणाकर मुले' हैं। तुम्हें यह जानकर बड़ा मज़ा आएगा कि 'गुणाकर मुले' गणितज्ञ हैं। एक गणितज्ञ की लेखनी से निकले झिलमिलाते शब्द आपके सामने हैं। आओ इस पाठ के ज़रिए जानते हैं कि अक्षरों की खोज कैसे हुई, कब हुई और किसने की—

प्र०1 नीचे कुछ अधूरे शब्द दिए गए है इन्हें वर्ग-पहेली की सहायता से उदाहरण की तरह पूरा लिखिए तथा पीछे दिए गए शब्दकोश से इनके अर्थ खोजिए-

शब्द—अर्थ

(उदाहरण) तादाद—संख्या

1. व्य ______ → ______
2. अ ______ → ______
3. स ______ → ______
4. पी ______ → ______
5. क ______ → ______
6. अ ______ → ______
7. वि ______ → ______
8. सं ______ → ______
9. द्यो ______ → ______

ता	मि	सं	या	अ.	गो
दा	जी	के	ल	व्य	क्त
द	द्यो	त	क	ढ़	घ
लो	शी	ध	ल्प	सं	पी
अ	स्ति	त्व	ना	वि	ढ़ी
ना	खा	सू	ची	का	म
दि	तू	वि	हू	स	भ्य

प्र०2 आपके घर में या आस-पास कौन-कौन से काम लिखकर किए जाते हैं? लिखिए।

प्र०3 जैसे पाठ में अक्षरों के बारे में बताया गया है, आप अपने विद्यालय के बारे में बताते हुए 8-10 वाक्य लिखिए:

प्र०4 यदि आदमी अक्षरों की खोज नहीं करता तो क्या होता? लिखिए:

प्र०5 जैसा कि अम्मा जी ने भी बताया कि इस पाठ से अक्षरों की खोज के बारे में पता चलता है। अक्षर क्यों, कब और कैसे प्रयोग होने लगे। आओ नीचे दी गई जानकारियों को क्रमानुसार लगाकर एवं लिखकर पाठ के बारे में और जानने का प्रयास करें-

→ वह पशु, पक्षियों, आदमियों, सूर्य, धूप आदि के चित्र बनाकर अपनी बात रखता था। ◯

→ आदमी अपने विचार और हिसाब–किताब को लिखकर रखने लगा। ◯

→ अक्षर की खोज बल्कि स्वयं मनुष्य ने की। ◯

→ इस तरह एक नए युग की शुरूआत हुई। ◯

→ पहले लोग सोचते थे कि अक्षरों की खोज ईश्वर ने की है। ◯

→ इसके बाद मनुष्य ने धीरे–धीरे अक्षरों की खोज की। ◯

→ पहले मानव चित्रों के जरिए भाव व्यक्त करता था। ◯

क्रमानुसार

1. पहले लोग सोचते थे कि अक्षरों की खोज ईश्वर ने की है।
2. ______________________________
3. ______________________________
4. ______________________________
5. ______________________________
6. ______________________________
7. ______________________________

(संकेतः वसंत में दिए गए पाठ की सहायता से भी आप इन्हें क्रम में लगा सकते हैं।)

प्र०6 नीचे दिए गए गद्यांश में जो शब्द संख्यावाचक है उन पर गोल घेरा बनाइए-

हमारी यह धरती लगभग पाँच अरब साल पुरानी है। दो–तीन अरब साल तक इस धरती पर किसी प्रकार के जीव–जंतु नहीं थे। फिर करोड़ों साल तक केवल जानवरों और वनस्पतियों का ही इस धरती पर राज्य रहा। आदमी ने इस धरती पर कोई पाँच लाख साल पहले जन्म लिया। धीरे–धीरे उसका विकास हुआ। कोई दस हज़ार साल पहले आदमी ने गाँवों को बसाना शुरू किया।

जैसे आपने पाँच अरब, करोड़ो आदि पर गोला बनाया होगा ये 'साल' संज्ञा की संख्या बताकर समय के अनुमान के बारे में विशेष जानकारी दे रहें हैं। विशेष जानकारी देने के कारण ये शब्द विशेषण है और संख्या के रूप में बताने के कारण संख्यावाचक विशेषण हैं।

इसी प्रकार नीचे दिए गए शब्दों के साथ संख्यावाचक विशेषण लिखिए जैसे:

__तीन__सेब

________बच्चे

________चिड़िया

________घर

________दाने

प्र०7 नीचे दिए गए उदाहरण को समझते हुए आगे दिए गए शब्दों को जोड़कर संज्ञा, भाषा एवं लिपि की परिभाषा के लिए सही वाक्य बनाइए एवं लिखिए-

(क) विशेषण → [तैरने / कारक / संज्ञा] → की विशेषता बताता है।

विशेषण संज्ञा की विशेषता बताता है।

(ख) संज्ञा [वस्तु या व्यक्ति / सर्वनाम / विशेषण] का नाम है।

____

(ग) भाषा [पेड़ / बात और भाव / कोयल] को बताने का तरीका है।

____

(घ) लिपि

भाषा पानी रेत

को लिखने का तरीका है।

____

आपने ऊपर जो वाक्य बनाए हैं इनकी सहायता से नीचे दिए गए इंजनों को सही डिब्बों के साथ लगाकर रेल को पूरा करें–

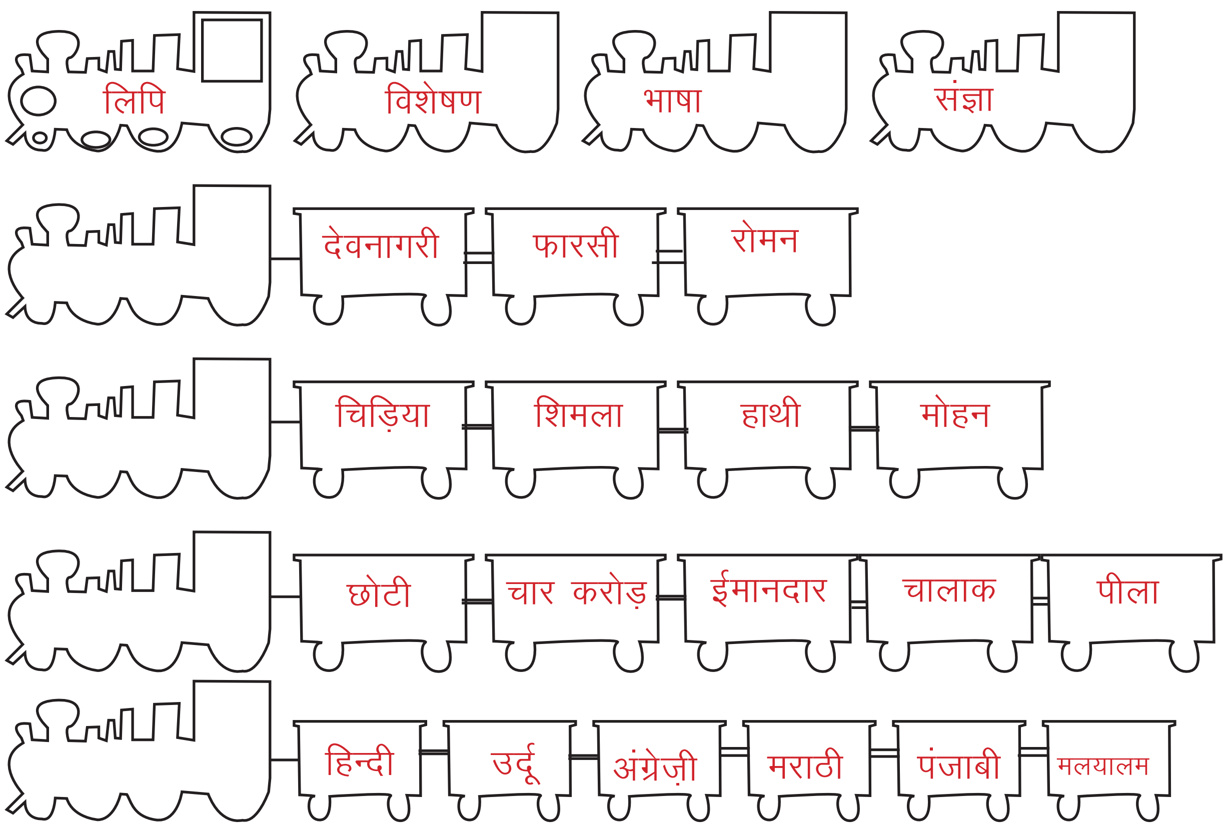

प्र०8 नीचे दिए गए चित्र में गोले के अंदर लिखा हुआ एक उपसर्ग है तथा दी गई रेखाओं पर कुछ शब्द, दोनों को मिलाकर नए शब्द लिखने का प्रयास कीजिए-

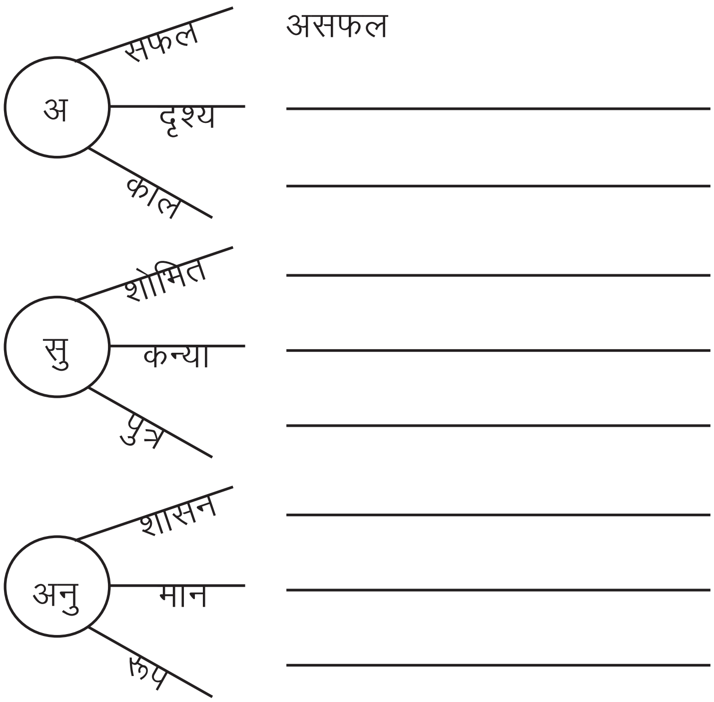

प्र०9 नीचे दी गई पंक्तियों को पढ़िए और ध्यान से देखिए कोई विराम चिह्न नहीं लगा है। सही जगह, सही विराम चिह्न लगाने का प्रयास कीजिए-

मगर कहाँ मौका हाथ लगते ही फिसल गया सुरंग में जगह–जगह लगाए निरीक्षक यंत्रों की जानकारी छोटू को नहीं थी मगर छोटू के प्रवेश करते ही हरकत हुई इतने छोटे कद का व्यक्ति सुरंग में कैसे आया

प्र०10 अक्षरों की खोज की तरह और किन-किन चीज़ों की खोज हुई है? सूची बनाइए-

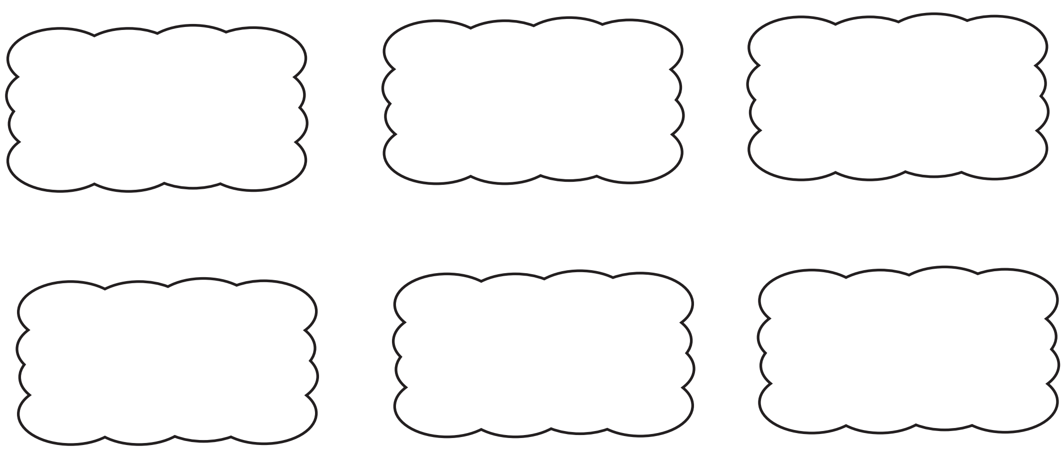

अब –

इनमें से किसी एक का नीचे चित्र बनाइए या छोटी कहानी लिखिए या निबंध लिखिए–

प्र०11 आओ पाठ को खोलें................

- 'अक्षरों की खोज के साथ एक नए युग की शुरूआत हुई।'

  क्या आपको भी ऐसा ही लगता है कि अक्षरों की खोज के साथ दुनिया में बहुत बदलाव आए। किस तरह से बदली यह दुनिया, उदाहरण देकर चर्चा करें।

- पाठ में गणित की इकाइयों से जुड़े कुछ शब्द आए हैं जैसेः–

⇒ तीन अरब ....

⇒ एक करोड़ ....

⇒ पाँच लाख ....

⇒ छह हज़ार ....

इन इकाइयों को अंकों में लिखें। आप अपने गणित विषय के अध्यापक की मदद ले सकते हैं।

प्र०12 चित्र देखकर उसके नाम में सही स्थान पर बिंदु या चंद्रबिंदु लगाइए-

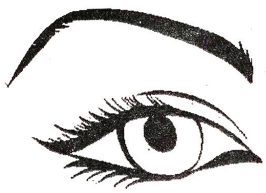

आख

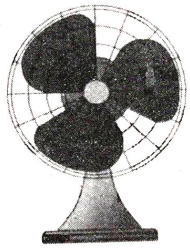

पखा

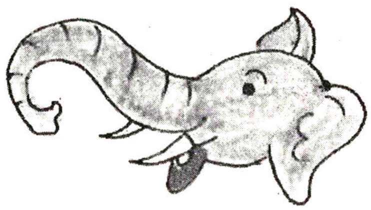

सूड

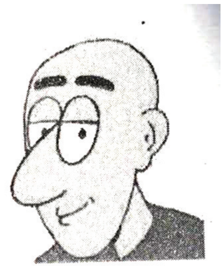

गजा

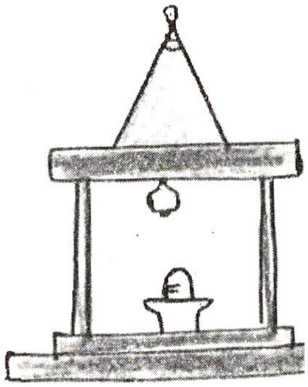

मदिर

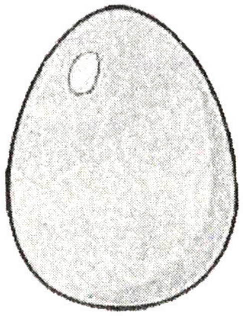

अडा

प्र०13 हम जो भी बोलते हैं, वह 'भाषा' है। भाषा को लिखित रूप से दर्शाने के लिए चाहिए 'लिपि'। नीचे मटके में कुछ लिपियाँ आपसे कुछ कहना चाह रही हैं। क्या आप पहचानेगें कि कौन-कौन सी भाषाएँ हैं ये:-

प्र०14 'आ' या 'ए', 'बी' ये अक्षर हैं जिनसे मिलकर शब्द बनते हैं। शब्द बहुत कुछ कहते हैं। नीचे दिए गए चित्र भी तो कुछ कह रहे हैं, ज़रा मिलान करिए-

कृपया शांत रहें।

खतरा

पुस्तकालय

तिराहा

धूम्रपान निषेध

प्र०15 नीचे लिखे शब्दों के अक्षर उलट पुलट गए हैं। सही स्थान पर रखकर शब्द बनाओ।

य हा स ता

आ न स मा

_______________ _______________

ल कु व्या

श्य व आ ता क

_______________ _______________

की चौ र दा

ख दे ल भा

_______________ _______________

प्र०16 नीचे चौकोर खानों में लिखे वर्णो से अधिक से अधिक शब्द बनाओ। उदाहरण देखो।

| प | | क | | ड़ | | क | | र |

पक पकड़ कड़क कर पर

| आ | | म | | ला | | ई | | ख | | र | | बू | | जा | | मु | | न |

....

| का | | ली | | ची | | ता | | रे | | श | | म |

....

| रा | | खी | | र | | स | | भो | | सा | | ह | | स | | जा |

....

प्र०17 चित्रों की सहायता से मुहावरे पूरे करके लिखिए-

दिखाना

....

खट्टेकरना

....

का

....

खुलना

....

''अक्षरों का महत्त्व''

हमने सीखा (Learning Outcome)

(क) अक्षरों की खोज के ऐतिहासिक तथ्यों को पढ़कर निबंध की विषय वस्तु का अनुमान लगाते हैं।

(ख) मौखिक तथा लिखित भाषा के बीच अंतर करना जानते हैं।

(ग) भाषा की अलग–अलग लिपियों के बारे में अंतर करना जानते हैं।

(घ) संज्ञा एवं विशेषण शब्दों की पहचान करते हैं तथा पाठ में आए अलग–अलग विशेषणों को चिह्नित करते हैं।

बूझो तो जानें–
एक थाल मोतियों से भरा,
सबसे सिर पर औंधा धरा

पाठ 6

ऐसे–ऐसे

—विष्णु प्रभाकर

सयानी अम्मा जी तो जानती हैं कि मोहन ऐसे–ऐसे का बहाना बना रहा था। आपने भी कभी कोई ऐसा बहाना बनाया है जिसके कारण आप किसी विचित्र स्थिति में फँस गए हो? मोहन भी ऐसी ही स्थिति में पड़ जाता है। आओ पाठ को पढ़कर जानें कैसे?

प्र०1 नीचे दिए गए शब्दों के अर्थ पीछे दिए गए शब्द कोश से लिखिए-

नए शब्द	अर्थ
यकायक	
कौलिक	
अट्टहास	
चोंगा	

प्र०2 सयानी अम्मा जी तो जानती हैं कि मोहन ऐसे ऐसे का बहाना रहा था लेकिन क्या आप जानते है कि मोहन के पेट में ऐसे-ऐसे क्यों हो रहा था?

____

____

प्र०3 निम्नलिखित बातों को आप जब कहते या सुनते हैं तो कैसे कहते या सुनते हैं, उसी भाव के साथ पढ़ने का प्रयास करें-

i. न–न, ऐसे मत कर ! ______________

ii. ले, तब तक सेंक लें। ______________

iii. मेरे पेट में दर्द हो रहा है। ______________

iv. कोई नयी बीमारी तो नहीं? ______________

v. **बेचारे** का मुहँ कैसे उतर गया है। ____________

vi. माँ ! ओ **माँ** ! ____________

vii. अजी, **ज़रा देखना**, डॉक्टर क्यों नहीं आया। ____________

viii. जी, जी हाँ। **बोल** रहा हूँ ____________

ix. **ऐसे–ऐसे** क्या बला है? ____________

x. हर वक़्त **घर** को सिर पर **उठाए** रहता है। ____________

ये सभी वाक्य पाठ में भी आए हैं क्या आप ढूढ़ँकर ऊपर दिए गए खाली स्थानों में लिख सकते है ये किसने कहा?

प्र०4 मोहन नीचे उतरना चाहता है लेकिन शब्द सीढ़ी पूरी नहीं है, सीढ़ी में कुछ शब्द दिए गए है उन्हें ध्यान से देखिए और पाठ से और शब्द छाँटिए, सीढ़ी में लिखिए तथा मोहन को नीचे उतरने में मदद कीजिए-

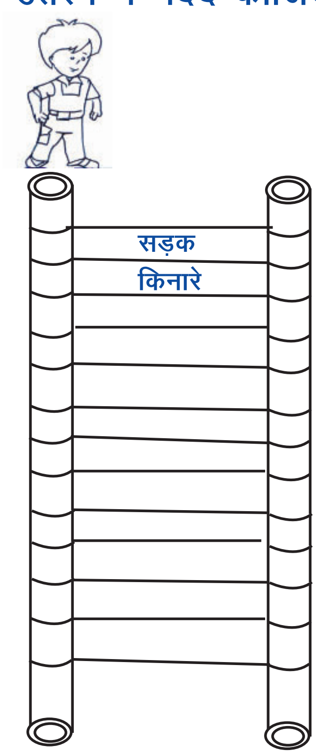

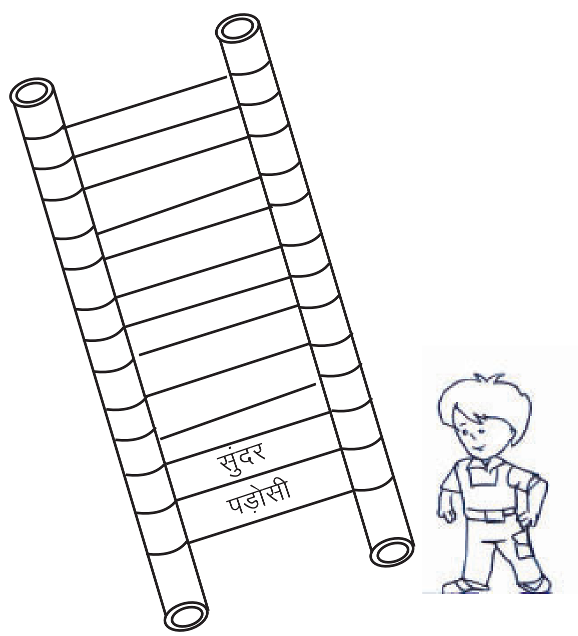

{अगर वह वापस चढ़ना चाहता है तो}

प्र०5 क्या बहाना बनाना चाहिए और क्यों?

____

____

____

____

प्र०6 जब आप बीमार हो जाते हैं तो डॉक्टर आपसे क्या-क्या प्रश्न पूछते हैं? लिखिए।

क) ______________________________

ख) ______________________________

ग) ______________________________

घ) ______________________________

प्र०7 बात, भाव के अनुसार कहने, पूछने, बताने के रूप में बदल जाती है नीचे दिए गए वाक्यों को भाव के अनुसार बदलकर लिखिए-

उदाहरण

क) मोहन विद्यालय जाता है।

(आदेश देने के लिए) → मोहन विद्यालय जाओ।

(प्रश्न पूछने के लिए) → मोहन कहाँ जाता है?

भाव	वाक्य
ख) प्रश्न पूछने के लिए	______________
मना करने के लिए	______________
ग) मना करने के लिए	______________
आदेश देने के लिए	______________
घ) मना करने के लिए	______________
प्रश्न पूछने के लिए	______________

प्र०8 बहाना बनाने के कारण क्या-क्या नुकसान हो सकते है? लिखिए।

____

____

____

____

____

प्र०9 उदाहरण समझकर नीचे लिखे शब्दों के समानार्थी शब्द वर्ग पहेली में से ढूँढकर उसपर घेरा लगाइए तथा दिए गए खाली स्थान में लिखिए-

क) पुस्तक – किताब

ख) आक्रमण – ________

ग) उम्र – ________

घ) माँ – ________

च) जवाब – ________

छ) श्वेत – ________

ज) तकलीफ़ – ________

झ) वायु – ________

ञ) शांत – ________

ह	खा	सि	ग	आ	यु	जे
म	चु	झ	छू	स	नि	शा
ला	प	रे	शा	नी	श	हा
स	वू	ना	धी	ख	पि	उ
फे	म	हू	कि	गा	सी	त्त
द	जा	मा	ता	मो	र	र
नू	ह	वा	ब	चा	घ	ला

प्र०10 नीचे दिए गए अधूरे पत्र को नीचे संकेत में दिए गए शब्दों की मदद से पूरा कीजिए-

सेवा में,

____

सर्वोदय___________विद्यालय

शाहदरा, __________।

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि ________________तबीयत ठीक __________ है इसलिए मैं _________________ नहीं आ ________ हूँ। कृप्या मुझे दो _______________________ का अवकाश ___________ करें।

धन्यवाद

____________ आज्ञाकारी _____________

नाम – _____________

कक्षा – _____________

रोल न० – _____________

दिनांक – _____________

संकेत: नहीं, श्रीमान / श्रीमती, विद्यालय, दय / दया, सकती / सकता, प्रदान, शिष्य / शिष्या, दिल्ली, दिन, प्रधानाचार्य / प्रधानाचार्या, कन्या / बाल, मेरी

प्र०11 चित्रों में संज्ञा शब्द ढूँढ़ते हुए वाक्यों को पूरा करो:-

क) .... सारा दूध पी गई।

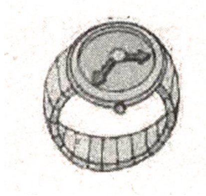

ख) कल हम .... देखने गए थे।

ग) आकाश में .... छा रहे हैं।

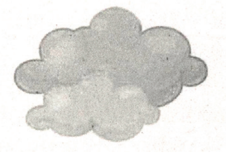

घ) मीना को .... बहुत पसंद है।

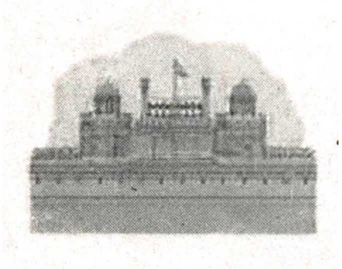

ड.) .... हमें छाया देते हैं।

च) चाचाजी ने मोहन को एक .... दी।

प्र०12 चित्र देखकर क्रिया शब्द भरिए-

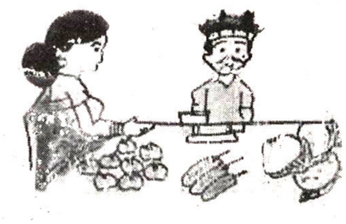

क) माता जी सब्ज़ी .... ।

ख) महिमा सुंदर रंगोली .... ।

ग) डाकिया चिट्ठी .... ।

घ) बच्चे पटाखे .... ।

प्र०13 बॉक्स में से शब्द निकालकर स्त्रीलिंग या पुल्लिंग के थैलों में डालो।

स्त्रीलिंग

मोर माली चिड़िया

गधा दुल्हन

बालिका चाचा गाय

गुड्डा बैल बुढ़िया

पुत्र चुहिया शेर

रानी राजकुमार हथिनी

पुल्लिंग

अधिगम संप्राप्ति

(क) कहानी को उचित हाव–भाव के साथ सुनते–सुनाते हैं।

(ख) अपने अनुभवों को जोड़ते हुए सवाल पूछते (प्रश्न निर्माण) है।

(ग) भिन्न–रूपों में वाक्य प्रयोग करते हैं।

(घ) पाठ्यवस्तु की बारीकी से जांच कर विशेष बिन्दु खोजते हैं तथा अनुमान के आधार पर निष्कर्ष निकालते हैं।

(ङ) विभिन्न स्थितियों के स्वरूप 8-10 वाक्यों में (मौखिक, पत्र, कहानी इत्यादि) के रूप में अभिव्यक्त करते हैं।

बूझो तो जानें–

दुनिया भर की करता सैर
धरती पर न रखता पैर
दिन में सोता, रात को जगता
रात अंधेरी मेरे बगैर

टिकट अलबम

—सुंदरा रामस्वामी

दोस्तों ! आपकी सबसे प्रिय वस्तु क्या है? कोई ऐसी वस्तु जो आपने बहुत मेहनत से स्वयं बनाई है? कोई ऐसी वस्तु जो आपके किसी प्रिय व्यक्ति ने आपको दी है? उस वस्तु का नाम यहाँ लिखिए .... ।

आप अपनी प्रिय वस्तु को बहुत सहेजकर रखते होंगे। उसकी देखभाल प्यार और सावधानी से करते होंगे। उसको सुरक्षित रखने की पूरी कोशिश करते होंगे। साथ ही आपको उस वस्तु पर गर्व भी अवश्य होगा। लेकिन अगर किसी दिन वह वस्तु आपको न मिले या खो जाए तो क्या होगा और आपको कैसा महसूस होगा? ऐसा ही कुछ पाठ 'टिकट अलबम' में हुआ। आओ पढ़ें—

प्र०1 इस पाठ में कुछ ऐसे शब्द आए हैं जो नीचे दिए गए चित्र में भी हैं, इन शब्दों को खोजकर लिखिए तथा पीछे दिए गए शब्दकोश से उनके अर्थ ढूँढकर लिखिए-

<u>शब्द</u>		<u>अर्थ</u>
________________		________________
________________		________________
________________		________________
________________		________________
________________		________________
________________		________________
________________		________________
________________	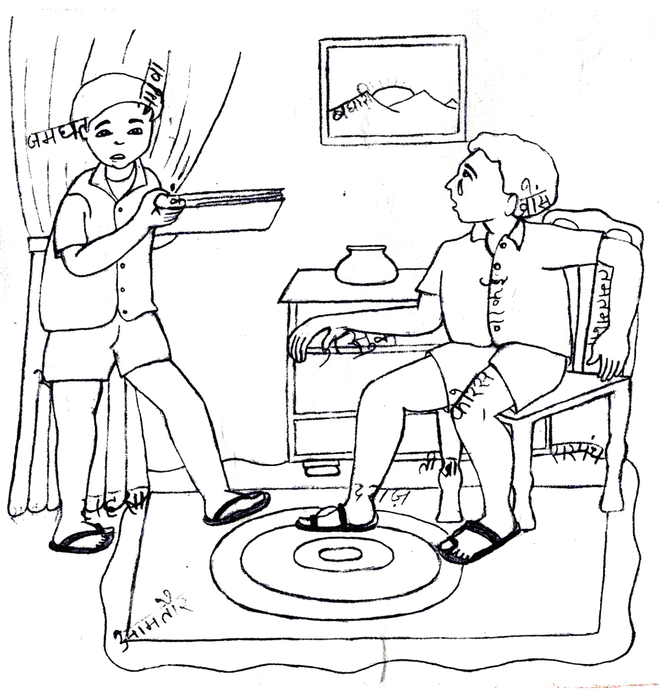	________________
________________		________________
________________		________________
________________		________________
________________		________________
________________		________________
________________		________________
________________		________________

प्र०2 नीचे कुछ वाक्य दिए गए है जिन्हें आप घटना के आधार पर क्रम में लगााने का प्रयास कीजिए, आप वसंत पुस्तक से पाठ की सहायता भी ले सकते हैं-

– राजप्पा चुप रहा।

– राजप्पा ने एक–एक करके टिकट जमा किए थे।

– उसने अलबम को अँगीठी में डाल दिया।

– नागराजन ने अलबम पर कवर चढ़ा दिया।

– सब उसके अलबम की तुलना नागराजन के अलबम से करने लगे।

– नागराजन के मामा जी ने सिंगापुर से एक अलबम भिजवाया था।

– नागराजन का अलबम खो गया।

क्रमानुसार लिखिए-

1. ____________________

2. ____________________

3. ____________________

4. ____________________

5. ____________________

6. ____________________

7. ____________________

प्र०3 नीचे दिए गई पंक्तियों से जुड़े कुछ प्रश्न बनाकर लिखिए-

नागराजन के मामा जी ने सिंगापुर से एक अलबम भिजवाया था। वह लड़कों को दिखाया करता। सुबह पहली घंटी के बजने तक सभी लड़के नागराजन को घेरकर अलबम देखा करते। आधी छुट्टी के वक्त भी उसके आसपास लड़कों का जमघट लगा रहता। कई लोग टोलियों में उसके घर तक हो आए।

प्रश्न 1. अलबम किसने भिजवाया था?

प्रश्न 2. ____________________

प्रश्न 3. ____________________

प्रश्न 4. ____________________

प्रश्न 5. ____________________

प्र०4 नीचे दी गई तालिका में एक ओर मधुमक्खी है तथा दूसरी ओर शहद जिसका वो संग्रह करती है, इसी तरह और कौन-कौन से प्राणी किसका संग्रह करते हैं उनके नाम लिखिए तथा चित्र बनाइए-

मधुमक्खी	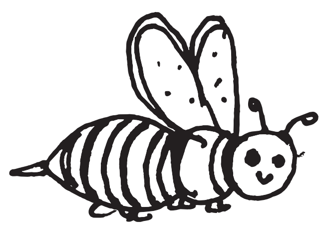	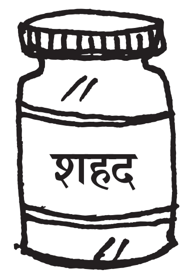

प्र०5 पाठ से लिए गए निम्न अनुच्छेद के कुछ शब्द हटा लिये गए हैं, कहानी पढ़कर खाली स्थान भरो-

"इस __________ को चुराने वाला __________ है। __________ लिखे नाम को कभी देखा है? यह __________ मेरा है। जब तक घास __________ है और कमल __________, सूरज जब तक __________ से उगे और __________ में छिपे, उस __________ काल तक के लिए यह __________ मेरा है, रहेगा।"

"__________ ने इसे अपने अलबम में __________ लिया। __________ ने झट कापियों और __________ में टीप लिया।"

प्र०6 पाठ में अनेक देशों के नाम आए हैं। उनकी सूची बनाइए।

__________________ __________________

__________________ __________________

__________________ __________________

__________________ __________________

प्र०7 पाठ में आए शब्दों का इस्तेमाल कर शब्द के अंतिम अक्षर से शुरू होता नया शब्द लेकर इस शब्द-रेल को चलाएँ-

→ सिंगापुर → राजप्पा → ______ → ______

→ ______ → ______ → ______ → ______

प्र०8 वचन बदलकर वाक्य बनाएँ-

लड़कियाँ ____________________

मधुमक्खी ____________________

कॉपियाँ ____________________

किताब ____________________

सीढ़ियाँ ____________________

प्र०9 पाठ में आए व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा और भाववाचक संज्ञाशब्दों के पाँच-पाँच उदाहरण छाँटकर लिखें-

व्यक्तिवाचक

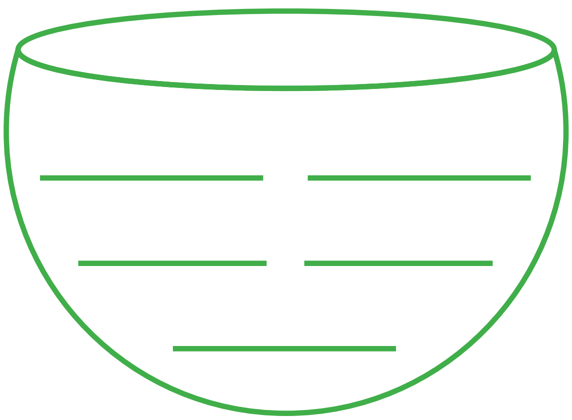

जातिवाचक

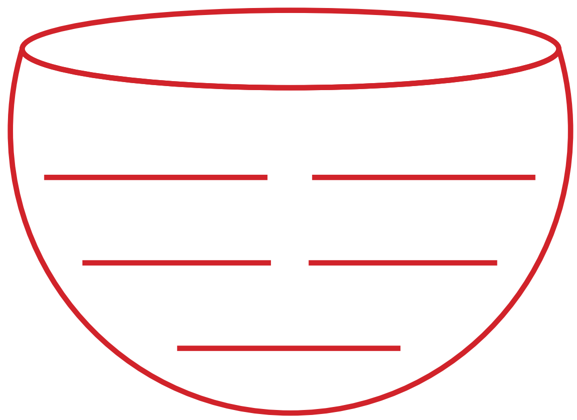

भाववाचक

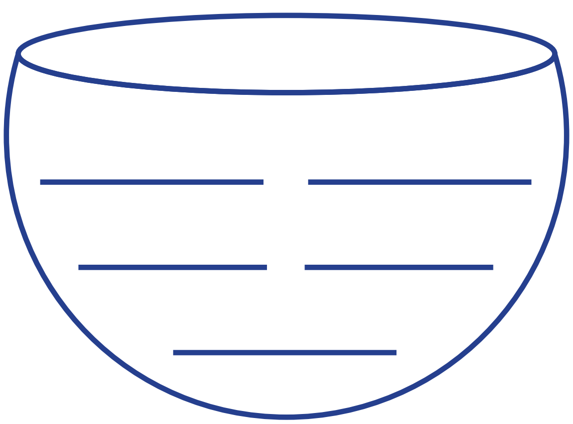

प्र०10 दिए गए उदाहरण की तरह नीचे दिए गए सही शब्दों को मिलाकर वाक्य बनाइए-

राजप्पा	टिकट	भागता	था।
	पगडंडियों में होकर	रहता	
	मन–ही–मन	दिखाता	
	चुप	जमा करता	
	अलबम	कुढ़ता	

उदाहरण– 1. राजप्पा टिकट जमा करता था।

2. ______________________________

3. ______________________________

4. ______________________________

5. ______________________________

प्र०11 आप कौन-कौन से काम करते हैं जैसे-

चलना | ____________ | ____________

____________ | ____________ | ____________

इन्हें क्रिया कहते है।

प्र०12 नीचे दिए गए शब्दों का सही मिलान कर आगे दिए गए खाली स्थान में लिखिए-

तेज़	उड़ना	तेज़ चलना ________
सीधे	चलना	________
बहुत	बैठना	________
ऊँचा	खाना	________
स्वादिष्ट	सोना	________

क्रिया विशेषण

यहाँ, तेज़, ज्यादा, बहुत, अच्छा आदि, किए गए काम की यानि क्रिया की विशेषता बता रहे हैं, इन्हें क्रिया विशेषण कहते हैं।

प्र०13 अपने साथियों (परिचितों) की अच्छी चीजों (गुणों) से ईर्ष्या करने पर निम्न पर क्या प्रभाव पड़ता है? समूह में चर्चा करके लिखिए।

स्वयं पर– ____________________

____

____

परिवार पर– ____________________

____

____

समाज पर– ____________________

____

____

प्र०14 नीचे दी गई कविता को संकेत में दिए गए शब्दांशों की सहायता से पूरा कीजिए-

राजप्पा ने मेहनत से अलबम बनाई
उसमें तरह तरह की ______________
सभी ने चाव से खूब की बड़ाई।
किंतु नागराजन ने वैसी
अलबम __________ थी पाई।
देख उसे सभी रह ____________
इतने सुंदर उसके _____________
कि सभी दिखते नागराजन के संग
राजप्पा के मन में छिड़ __________।
हो गई नागराजन की अलबम_________
कैसे ______ वो अब अलबम के बिन।
दोस्तों में हो गई थी __________
नागराजन रहा था ________ को मल
अप्पू ने राजप्पा को सारा ____________
____________ हो जाए यह कहकर डराया
राजप्पा को कुछ भी ________________
झट से अलबम को ______________ था जलाया।
बहते आँसुओं से थे भीगे_______________
राजप्पा ने निकाला अपने मन का मलाल
उठा ली अपनी अलबम, जो रखी थी____________ ।
सौंप दिया उसको __________________
फिर निभाया उसने अपने दोस्त _____________ ।
उसकी अलबम जा रही थी ___________
उसकी गलती ने ही किया था उसे मजबूर।
चोरी करना बिल्कुल नहीं है _____________
क्या आप भी इससे कुछ पाए ___________?

संकेत

का साथ, ठीक,
चोरी एक दिन,
नागराजन के हाथ,
हाल सुनाया, तोहफे
में, पुलिस में शिकायत,
पुलिस में शिकायत,
उसके गाल, दंग,
टिकट लगाई,
अपना हाल, गई,
जंग, अँगीठी में,
टिकट व रंग,
सूझ न पाया,
चोरी एक दिन,
रोती आँखों,
सीख, हलचल,
रह पाएगा, संभाल,
उससे दूर,
अलबम बनाई

प्र०14 अपने किसी मित्र के ऊपर अनुच्छेद लिखिए-

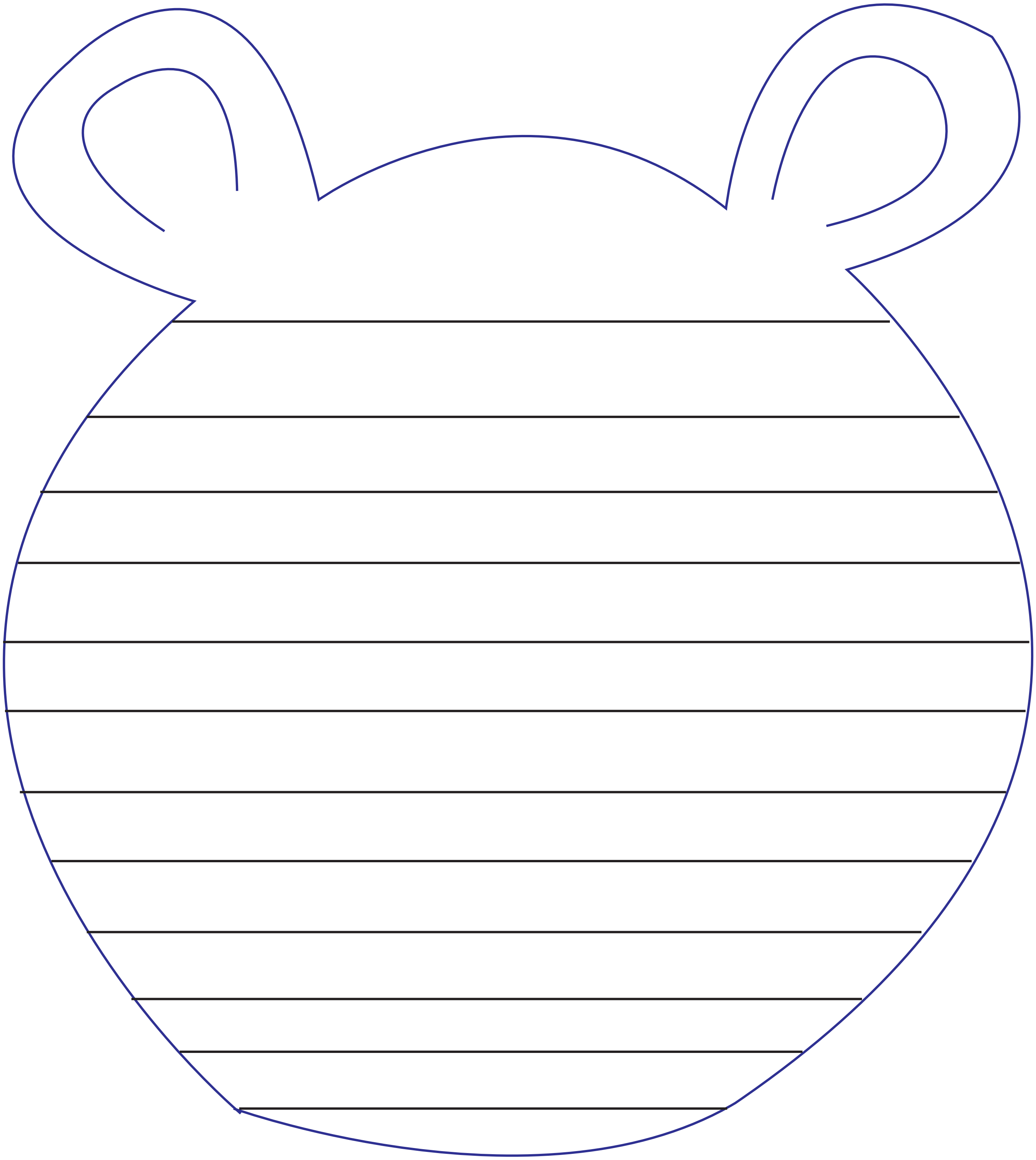

अधिगम संप्राप्ति

(क) कहानी को आसानी से पढ़ लेते हैं।

(ख) पाठ को पढ़कर विशेष बिन्दुओं को खोजते तथा निष्कर्ष निकालते हैं।

(ग) क्रिया का उपयुक्त प्रयोग करते हैं।

(घ) शब्दों का अर्थ समझकर वाक्य प्रयोग करते हैं।

(ङ) भाषा की बारीकियों का ध्यान रख, उनका बोलने और लिखने में प्रयोग करते हैं।

बूझो तो जानें–
मैं हरी मेरे अन्दर मोती काले
मुझे छोड़, मेरे मोती खाले

क्यारी का भाई उसे हमेशा कामचोर कहकर बुलाता है।
मेरी बहन भी मुझे नौटंकी कहती रहती है।
पर मैं तो सिर्फ अपने माता-पिता के साथ ही रहती हूँ।
तो क्या हुआ वो भी तो तुम्हें कुछ और कहकर बुलाते होंगें?
हाँ, बुलाते तो हैं।
क्या कहकर बुलाते हैं।

झाँसी की रानी*।
ओह..! पर ऐसा क्यों ?

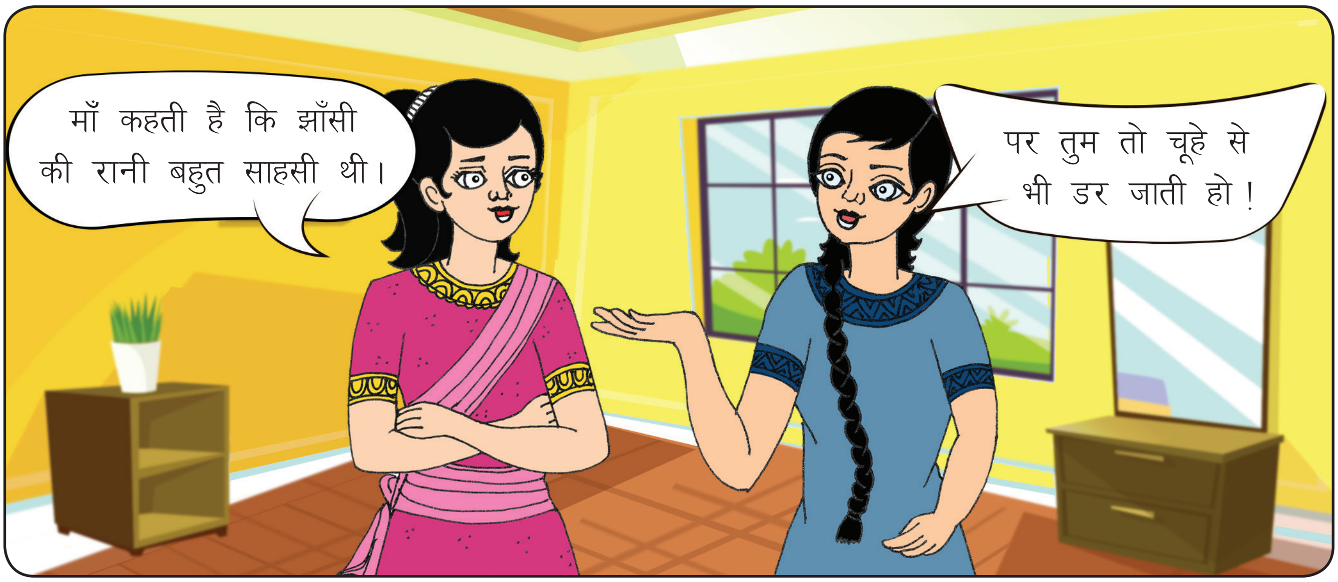
माँ कहती है कि झाँसी की रानी बहुत साहसी थी।
पर तुम तो चूहे से भी डर जाती हो !

ऐसा तो नहीं है। पापा जी बताते है कि वह अपने माता-पिता की अकेली संतान थी।
फिर भी इतनी साहसी थी ?

हाँ...!
मुझे तो अँधेरे से ही इतना डर लगता है।
चाहे चूहा हो या अँधेरा हमें किसी से भी डरना नहीं चाहिए।
क्यों?
क्योंकि डरने से हम पीछे रह जाते हैं और कुछ सीख नहीं पाते।
फिर....

फिर क्या, हमें अपने जीवन की कठिनाइयों से लड़कर आगे बढ़ना चाहिए।
ऐसा कौन कर पाता है भला?

क्यों नहीं कर पाता, क्या तुमने हेलेन केलर* का नाम सुना है?
बिलकुल अभी-अभी सुना, हेलेन केलर, तो...

हेलेन केलर देख नहीं सकती थी फिर भी उन्हें बहुत से पेड़-पौधों की पहचान थी।
अच्छा..!

*झाँसी की रानी - वसंत में दी कविता।

*हेलेन केलर - वसंत में दिया पाठ 'जो देखकर भी नहीं देखते' की लेखिका।

पाठ 8

झाँसी की रानी

बच्चो, आपने अपने घर में बड़ों से कई किस्से–कहानियाँ सुनी होंगी। उन कहानियों में वीरता की कहानी अवश्य होगी। आजादी से पहले जब भारत अंग्रेजों के अधीन था, तब आजादी के लिए लोगों ने कई लड़ाइयाँ लड़ी। झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई भी उन्हीं में से एक वीरांगना थी, जिन्होंने मरते दम तक अंग्रेजों से युद्ध किया और आजादी के लिए वीरगति को प्राप्त हुई। यह कविता उन्हीं के विषय में है। अब कविता को पढ़कर समझते हैं–

प्र०1 झाँसी की रानी की कविता को पढ़कर उनकी विशेषताएँ लिखिए एवं चित्र में रंग भरिए-

प्र०2 समूह में चर्चा करें व लिखें-

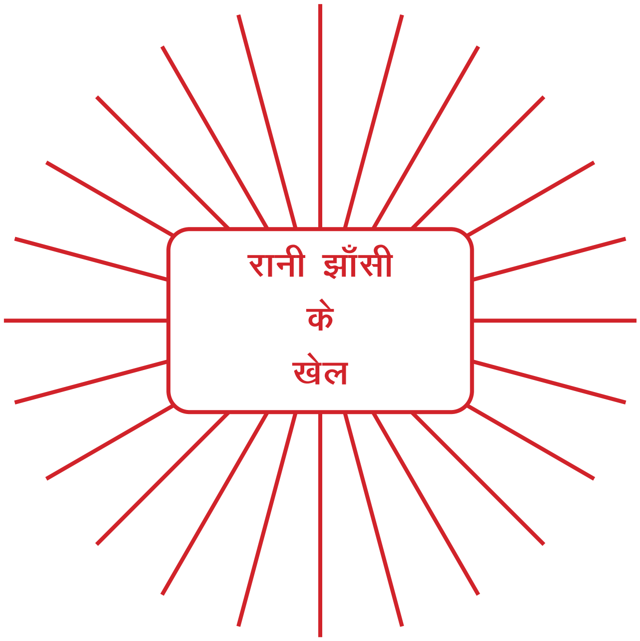

प्र०3 कविता में जिन-जिन स्वतंत्रता सेनानियों का जिक्र हुआ है, उनका नाम लिखें -

प्र०4 थैला खोलो, देशभक्तों के उपनाम निकालो, उनके मूल नाम के साथ जोड़ो-

__________________ करमचंद गांधी

__________________ चंद्रशेखर

__________________ जवाहर लाल नेहरू

__________________ लक्ष्मी बाई

__________________ बल्लभ भाई पटेल

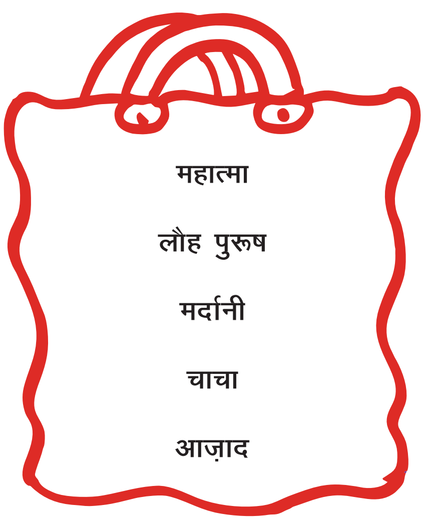

प्र०5 **भारत के मानचित्र में कविता में आए विभिन्न स्थानों को दर्शाएँ। साथ ही साथ पुराने स्थानो के नये नाम भी लिखें।**

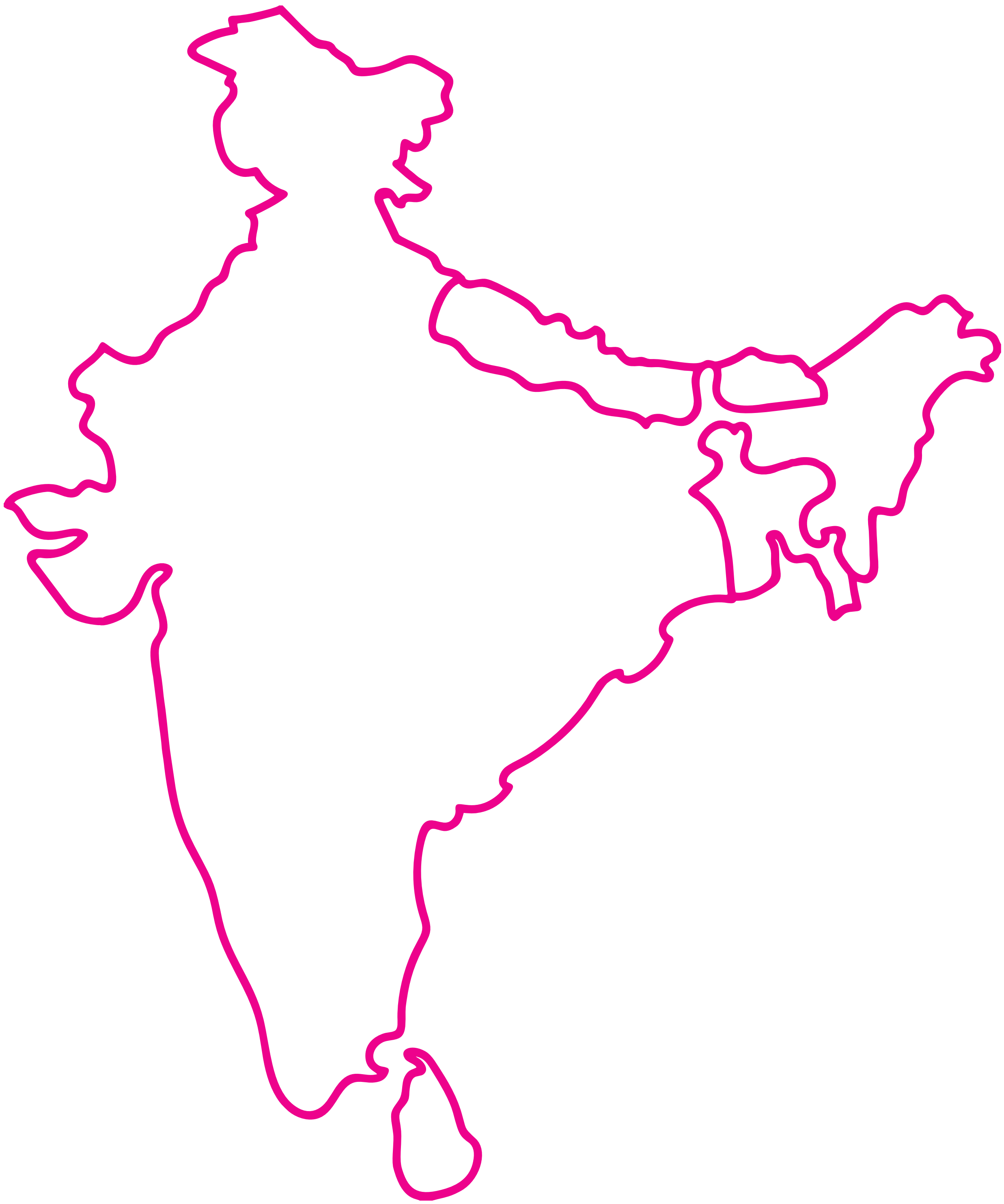

[निर्देश– आप इस प्रश्न को अपने सामाजिक विज्ञान के कालांश (Period) में अपने साथियों व अध्यापिका की मदद से कर सकते हैं]

प्र०6 समान तुक वाले तीन-तीन शब्द लिखें।

माली =	जाली	पाली	नाली	कान =	______	______	______
सोता =	______	______	______	कोने =	______	______	______
रानी =	______	______	______	लडी =	______	______	______
पानी =	______	______	______	कहानी =	______	______	______
पुरानी =	______	______	______	दूर =	______	______	______

प्र०7 चित्र देखकर प्रश्नों के उत्तर लिखें -

चित्र नं 1

चित्र नं 2

1 क्या दिखाई दे रहा है?

____

____

2 चित्र नं 1 में पक्षी क्या महसूस कर रहे हैं?

____

3 चित्र नं 2 में पक्षी क्या कर रहे हैं?

____

4 चित्र नं 2 में पक्षी कैसा महसूस कर रहे हैं?

____

5 आपको कौन सा चित्र अच्छा लगा और क्यों?

____

____

प्र०8 पढ़ो, समझो और लिखो-

पाठशाला	=	पाठ	+	शाला
बैलगाड़ी	=	______	+	______
देशवासी	=	______	+	______
वीरपुरूष	=	______	+	______
देशहित	=	______	+	______
कल्पवृक्ष	=	______	+	______

प्र०9 कविता में जो पंक्तियाँ आपको अच्छी लगती है उन्हें लिखिए-

____

____

____

____

____

____

प्र०10 आपकी समझ से लक्ष्मीबाई को मर्दानी क्यों कहा गया हैं?

____

____

____

प्र०11 आजादी से संबंधित किसी कविता को खोजकर लिखिए-

____

____

____

____

प्र०12 **उपसर्ग**

शांत शब्द के पहले 'अ' लगाने से 'अशांत' बनता है। मान शब्द के पहले 'अप' लगाने से 'अपमान' बनता है ये दोनों नए शब्द बन गए–

जो शब्दांश, मूल शब्द से पहले जुड़कर उसका अर्थ बदल दे, उन्हें उपसर्ग कहते हैं।

जैसे:	–	अ	+	चल	=	अचल
		परा	+	धीन	=	पराधीन
		अधि	+	कार	=	अधिकार
		अभि	+	मान	=	अभिमान

कुछ उपसर्ग:– अ, नि, स, परा, अनु, प्र, वि, दुर

(उदाहरण)

अधि, प्रति, अति, कु, सु, सत्, अप्, आ, अभि

निम्न शब्दों के पहले उचित उपसर्ग लगाकर नया शब्द बनाइये–

उप
हार

सु
विचार

यश

फल

गन्ध

मान

काश

धीन

चार

प्र०13 मुहावरे

ऐसा वाक्यांश जो सामान्य अर्थ को छोड़कर विशेष अर्थ बतलाता है, 'मुहावरा' कहलाता है।

जैसे नौ–दो–ग्यारह होना

सामान्य अर्थ में नौ और दो मिलकर ग्यारह होते हैं पर इसका विशेष अर्थ होता है–भाग जाना।

इसका वाक्य में प्रयोग भी हो सकता है। वाक्य में प्रयोग के लिए मुहावरे को लेते हैं और वाक्य निर्माण के बाद उसका अर्थ अपने आप स्पष्ट हो जाता है

जैसे–पुलिस को देखते ही चोर नौ–दो–ग्यारह हो गया।

यहाँ वाक्य से अपने आप अर्थ का पता चल जाता है कि पुलिस को देखकर चोर भाग गया।

कुछ मुहावरे अर्थ सहित

1. खाक छानना – भटकना
2. गद्गद होना – प्रसन्न होना
3. आँख खुलना – सचेत होना
4. आँख दिखाना – गुस्सा करना
5. कमर कसना – तैयार होना
6. नाक में दम करना – परेशान करना
7. दिन–रात एक करना – बहुत मेहनत करना
8. पानी–पानी होना – लज्जित होना
9. हाथ फैलाना – माँगना
10. कलई खुलना – भेद खुलना

प्र०14 खेल खेल में विलोम शब्द सीखिए और लिखिए-

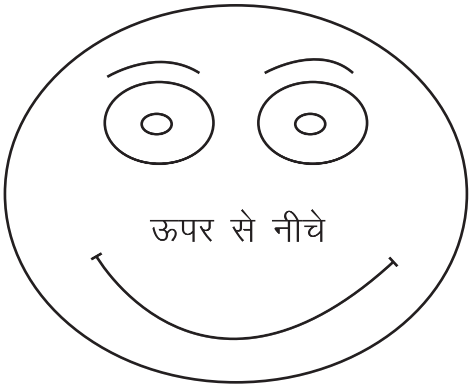

1. लाभ– ________
2. भला– ________
4. जीवन– ________
5. आशा– ________
6. कुपुत्र– ________
8. रंक– ________

1.	2.	3.	4
5. नि			
	6.		ण
	7.	8.	ना
9.		10.	

3. घृणा– ________
5. आदर– ________
6. दुख– ________
7. नया– ________
9. शत्रु– ________
10. आना– ________

अधिगम संप्राप्ति

(क) कविता को अपने शब्दों में अभिव्यक्त कर पाते हैं।

(ख) पढ़ी गई कविता के आधार पर स्वयं से प्रश्न बना पाते हैं।

(ग) कविता की बारीकियों एवं घटनाओं को समझते हैं।

(घ) मुहावरें एवं शब्द के विभिन्न रूपों का प्रयोग कर पाते हैं।

बुझो तो जानें–
गोल–गोल आँखों वाला
लंबे–लंबे कानों वाला
गाजर खूब खाने वाला
इसका नाम बताओ लाला

पाठ 9

जो देखकर भी नहीं देखते

—हेलेन केलर

हम कितनी आसानी से चीजों को देख सकते हैं, सुन सकते हैं, बोल सकते हैं, चल सकते हैं। पर इन सब बातों की तरफ हमारा ध्यान नहीं गया होगा, जो अपनी आँखों से देख नहीं सकते, कानों से सुन नहीं सकते, बोल नहीं सकते या चल नहीं सकते। कभी सोचा है, उन्हें काम करने में कठिनाई तो अवश्य होती होगी। आप ने भी अपने आस–पास ऐसे व्यक्ति या किसी बच्चे को देखा होगा। इसी प्रकार 'जो देखकर भी नहीं देखते' पाठ में लेखिका हेलेन केलर के अनुभव वर्णित है आओ उनके बारे में जाने–

प्र०1 नीचे कुछ अधूरे शब्द दिए गए हैं इन्हें वर्ग-पहेली की सहायता से, दिए गए उदाहरण की तरह पूरा लिखिए तथा पीछे दिए गए शब्दकोश से इनके अर्थ खोजिए-

	शब्द		अर्थ
(उदाहरण)	स्पर्श	→	छूना
1.	अ______	→	______
2.	म______	→	______
3.	क्ष______	→	______
4.	आ______	→	______
5.	नि______	→	______
6.	सं______	→	______
7.	आ______	→	______
8.	मु______	→	______
9.	दृ______	→	______
10.	म______	→	______
11.	आ______	→	______

अ	झ	ट्ट	आ	चु	मु
च	ख	ष्टि	स	न	ग्घ
र	म	धु	र	आ	दी
ज	आ	नं	दि	त	म
स्प	र्श	चु	ज	क्ष	ख
नि	या	म	त	म	म
सं	वे	द	ना	ता	ली

प्र०2 हमारी पाँच इंद्रियां कौन-कौन सी है?

______________ ______________ ______________

______________ ______________

प्र०3 सही मिलान कीजिए-

देखना	कान
सुनना	नाक
चखना	आँख
सूँघना	त्वचा
छूना	जीभ

प्र०4 निम्नालिखित इंद्रियों से किए जाने वाले कार्यो को वाक्य में लिखिए-

जीभ– ______________________________

आँख– ______________________________

त्वचा– ______________________________

नाक– ______________________________

कान– ______________________________

प्र०5 चित्र में किस इंद्रिय से आप क्या-क्या काम कर सकते है नीचे दिए गए उदाहरण को समझकर लिखिए?

त्वचा– पेड़–पौधों को स्पर्श करके महसूस कर सकते है कि कठोर है या कोमल।

____

____

____

____

____

प्र०6 आपके विद्यालय से घर के बीच में आने वाली वस्तुओं के नाम लिखो (कोई पाँच) इन वस्तुओं में क्या विशेष नजर आया।

जैसे – मैंने देखा फूल (वस्तु) – लाल (विशेषता)

	वस्तु	विशेषता
1.	______________	______________
2.	______________	______________

3. ______________________ ______________________

4. ______________________ ______________________

5. ______________________ ______________________

प्र०7 **आपकी जानकारी में कोई ऐसा बच्चा/व्यक्ति है जिसको देखने और सुनने में समस्या है बताइये कि वे अपना काम कैसे करते है?**

____

____

____

प्र०8 **उचित मात्रा लगाकर शब्द पूर्ण करें व लिखें-**

कआ ______________

गरया ______________

मना ______________

कबतर ______________

अगर ______________

पपत ______________

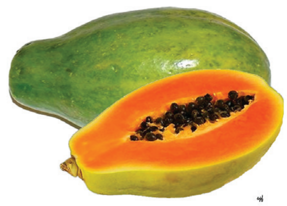

प्र०9 रिक्त स्थानो की पूर्ति करो (बाक्स में से)

सात
रंग
सैर
गूँजने

(1) मैं छाल को ______________ से पहचान लेता हूँ।

(2) मधुर स्वर कानों में ______________ लगते है।

(3) इंद्रधनुष में ______________ रंग होते है।

(4) जंगल की ______________ करके वापस लौटा।

प्र०10 आपने ऐसे शब्द सुने होंगे जो सुनने में एक जैसे लगते हैं लेकिन उनका अर्थ अलग-अलग होता है। ऐसे शब्द लिखिए-

जैसे: बेर – बैर

(फल) – (दुश्मनी)

__________ __________

__________ __________

__________ __________

प्र०11 हेलन केलर की जीवनी पढ़कर बताइये कि उनके व्यक्तित्व से क्या-क्या सीखने को मिला?

प्र०12 आप किसी पार्क की सैर पर गए थे। वहाँ आपने जो देखा और किया उसका अनुभव बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए-

अधिगम संप्राप्ति

(क) पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी बारीकी से जाँच करते हुए विशेष बिन्दु को खोजते, अनुमान लगाते व निष्कर्ष निकालते हैं।

(ख) अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।

(ग) पाठ के बारे में आपस में बातचीत करते हैं व उन्हें समझते हैं।

(घ) स्वयं प्रश्न बनाते हैं और साथियों से पूछते हैं।

बुझो तो जानें–

हरी थी मन भरी थी
लाख मोती जड़ी थी
राजा जी के बाग में
दुशाला ओढ़े खड़ी थी

पाठ 10

मैं सबसे छोटी होऊँ

—सुमित्रानंदन पंत

इस कविता में एक छोटी बच्ची हमेशा सबसे छोटी बच्ची ही रहना चाहती है। वह हमेशा अपनी माँ की गोदी में ही सोना चाहती है। वह सदा अपनी माँ का आँचल पकड़–पकड़कर ही चलना चाहती है। क्या आप बता सकते है कि ऐसा क्यों? चलिए कविता पढ़िए और जानिए........

प्र०1 नीचे दिए गए उदाहरण को समझते हुए बाकी शब्दों को भी पोटली से ढूँढकर पूरा करो तथा पीछे दिए गए शब्दकोश से उनके अर्थ ढूँढकर लिखिए-

शब्द	अर्थ
क________	________
मु________	________
स________	________
स्________	________
नि________	________
नि________	________
चंद्रो________	________

प्र०2 नीचे दिए गए शब्दों के तुकबंदी वाले शब्द लिखिए-

काला माला	हाथ ________	गात ________
हमारे ________	सोऊँ ________	निर्भय ________

प्र०3 आप अपने परिवार में सबसे ज्यादा किससे बातें करते है और क्यों? लिखिए।

____

____

____

____

____

प्र०4 आप अपने परिवार में सबसे ज्यादा किसको पसंद करते है और क्यों? लिखिए।

____

____

____

____

____

प्र०5 नीचे दिए गए उदाहरण को पढ़कर समझिए तथा बाकी वाक्यों के खाली स्थान में रेखा खींचे शब्द का विलोम शब्द लिखिए-

उदाहरण क पौधा <u>छोटा</u> जबकि पेड़ <u>बड़ा</u> होता है।

ख मंगलवार, बुधवार से <u>पहले</u> और सोमवार के ________ आता है।

ग पेड़ की पत्तियाँ <u>ऊपर</u> तथा जड़ ________ रहती है।

घ हम दिन में विद्यालय जाते हैं और ____________ में सो जाते है।

ङ हमारा एक हाथ ___________ और दूसरा हाथ बायां होता है।

च

प्र०6 नीचे दिए गए उदाहरण की तरह कोष्ठक में दिए गए शब्दों के वचन बदलकर लिखिए-

उदाहरणः पेड़ से पत्तियाँ (पत्ती) गिरती हैं।

क) वह __________ (केला) बेचता है।

ख) मेरी नानी ___________ (परी) की कहानी सुनाती है।

ग) मैं ___________ (खिलौना) से खेलती हूँ।

घ) उसने कई ___________(बिल्ली) देखी है।

ङ) हमारे देश में बहुत सारी ___________ (नदी) बहती है।

च) वह _____________ (पशु) को चराने जाता है।

प्र०7 नीचे दिए गए शब्दों को मिलाकर वाक्य बनाओ-

	मुहँ	करती	
माँ	कहानी	देती	थी
	खिलौने	धुलाती	
	स्नेह	सुनाती	

उदाहरणः (क) माँ मुहँ धुलाती थी।

(ख) ____

(ग) ____

(घ) ____

प्र०8 नीचे दिए गए चित्र में छोटे गोले में उपसर्ग दिए गए है उसके आस-पास दिए गए शब्दों के साथ प्रयोग कर अन्य शब्द बनाइए-

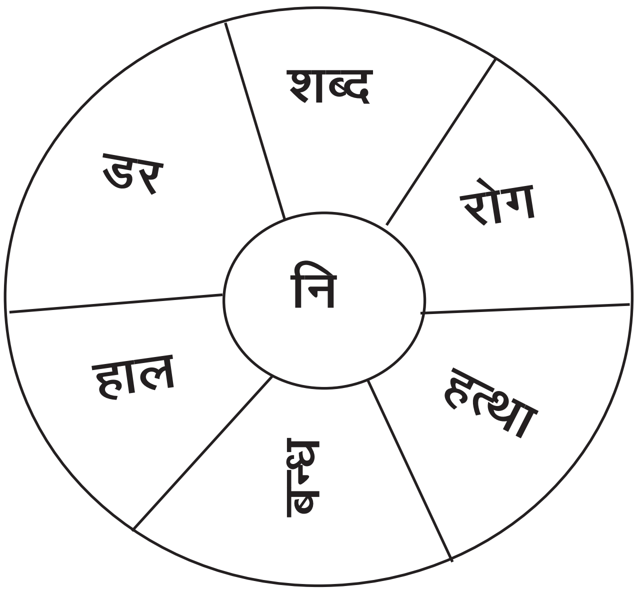

उदाहरण   निशब्द   निर्धन

प्र०9 निम्नलिखित शब्दों के साथ ——ं—— अथवा——ँ——का सही प्रयोग सभी शब्द शुद्ध रूप में लिखिए-

जैसे

अचल → अंचल

होऊ → ____________

पोछ → ____________

सापो → ____________

परियो → ______

जगल → ____________

पख → ____________

फिरु → ______

टाग → ____________

हू → ____________

नही → ____________

मै → ____________

रेगता → ____________

दाए → ____________

मा → ____________

मछलिया → ____________

वहा → ____________

बाए → ____________

करू → ____________

चद्रोदय → ____________

प्र०10 माँ की दिनचर्या के बारे में बताते हुए एक अनुच्छेद लिखिए-

अधिगम संप्राप्ति

(क) पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी बारीकी से जाँच करते हुए विशेष बिन्दु को खोजते, अनुमान लगाते व निष्कर्ष निकालते हैं।

(ख) कविता में जाए संवेदनशील मुद्दे को समझकर उस पर चर्चा करते हैं।

(ग) शब्दों के अर्थ अनुसार प्रयोग तथा विलोम शब्द का उचित प्रयोग कर भाषा की बारीकियों का ध्यान रखते हैं।

(घ) विभिन्न स्थितियों के स्वरूप लेखन का प्रयास करते हैं।

रंग भरिए और चित्र के आधार पर कहानी लिखिए-

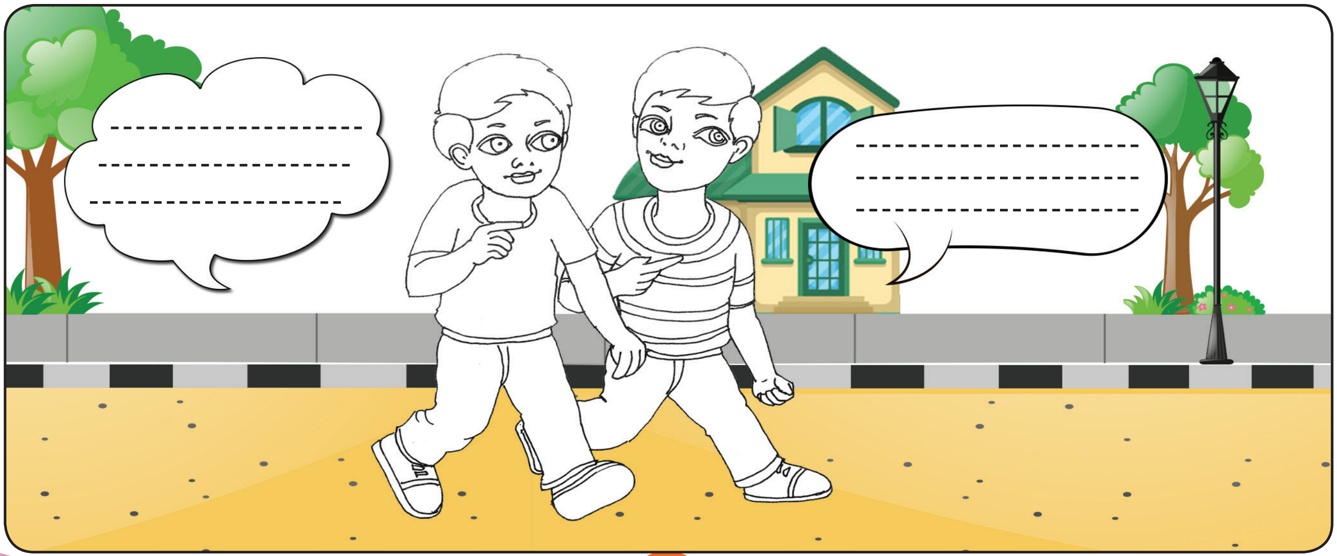

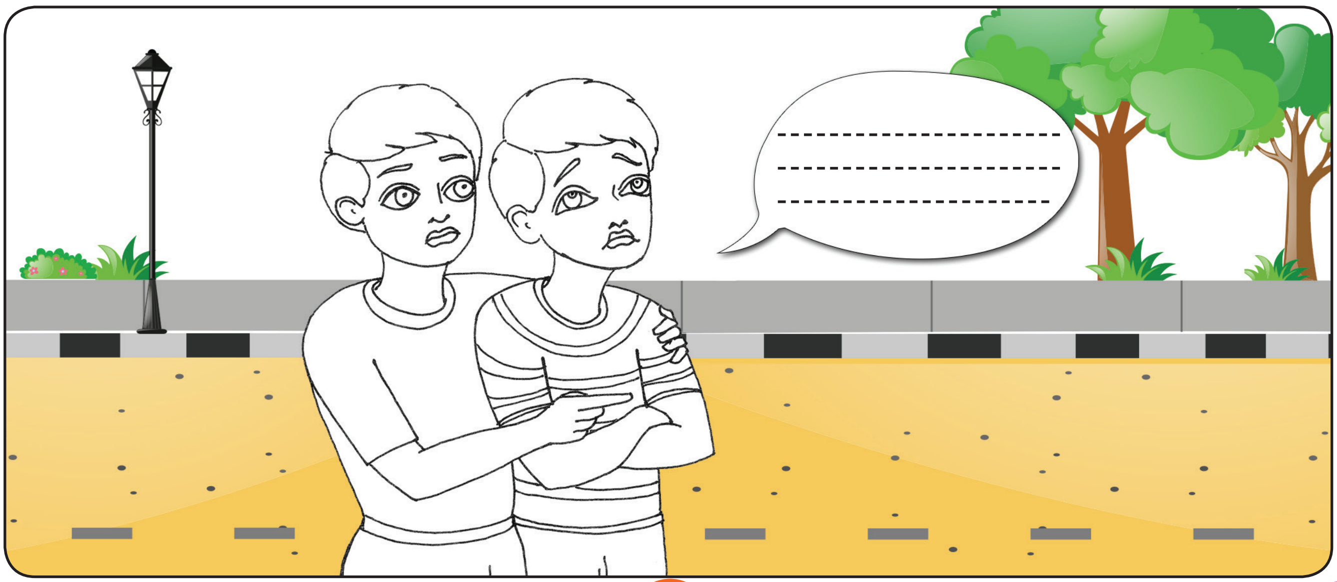

पाठ 11

लोकगीत

प्यारे बच्चो! आपने कई प्रकार के गीत सुने हैं और आपने ये गीत अनेक माध्यमों से सुने हैं, जैसे–टेलीविजन, रेडियो, इण्टरनेट, सिनेमा आदि। इन सभी गीतों में ढोलक, कई प्रकार के बाजों, ड्रम, गिटार आदि अनेक वाद्य यंत्रों का प्रयोग किया जाता है। कुछ गीत ऐसे भी हैं, जिनमें गीत गाने के लिए कोई स्थापित गायक/गायिका नहीं होते और न ही इनमें ज्यादा वाद्य यंत्रो का प्रयोग किया जाता है। ये गीत अक्सर हमारे त्योहारों, उत्सवों (जन्म, विवाह एवं मृत्यु) के अवसर पर, परिवार की औरतों के द्वारा गाए जाते हैं। ये सामूहिक मनोरंजन का सशक्त माध्यम हैं और इनको लोकगीत कहा जाता है। ये गीत ऐसे होते हैं जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी गाए जाते हैं। सुख–दुःख को व्यक्त करने वाले ये गीत सर्वमान्य है और क्षेत्र विशेष की लोक बोली में गाए जाते हैं। कम वाद्य यंत्रों के साथ भी ये बड़े रोचक ढंग से गाए जाते हैं। 'लोकगीत' पाठ से हमें पता लगेगा कि अलग-अलग क्षेत्रों में कौन-कौन से गीत किस-किस तरह से गाए जाते हैं। तो आइए, पढ़ें यह निबन्ध लोकगीत।

प्र०1 निम्न शब्दों के अर्थ पुस्तिका के अंत में दिये शब्दकोश से ढूँढें और शब्दों के सामने लिखें।

शब्द	–	अर्थ
लोच	–	____________
लोकप्रिय	–	____________
शास्त्रीय	–	____________
भिन्न	–	____________
साधना	–	____________
उपेक्षा	–	____________
साहित्य	–	____________
परिवर्तन	–	____________
विविध	–	____________

संग्रह – ____________

प्रकाशित – ____________

रोजमर्रा – ____________

मर्म – ____________

आनंददायक – ____________

करूणा – ____________

विरह – ____________

दल – ____________

हास – ____________

मटकोड़ – ____________

ज्यौनार – ____________

विधि – ____________

स्त्रोत – ____________

प्र०2 निम्न वाद्ययन्त्रों के सामने उनके नाम लिखो?

____

प्र०3 लोकगीत शब्द सुनकर आपके मन में कौन-कौन से अन्य शब्द उभरते हैं। नीचे दिये गए स्थान में लिखिए-

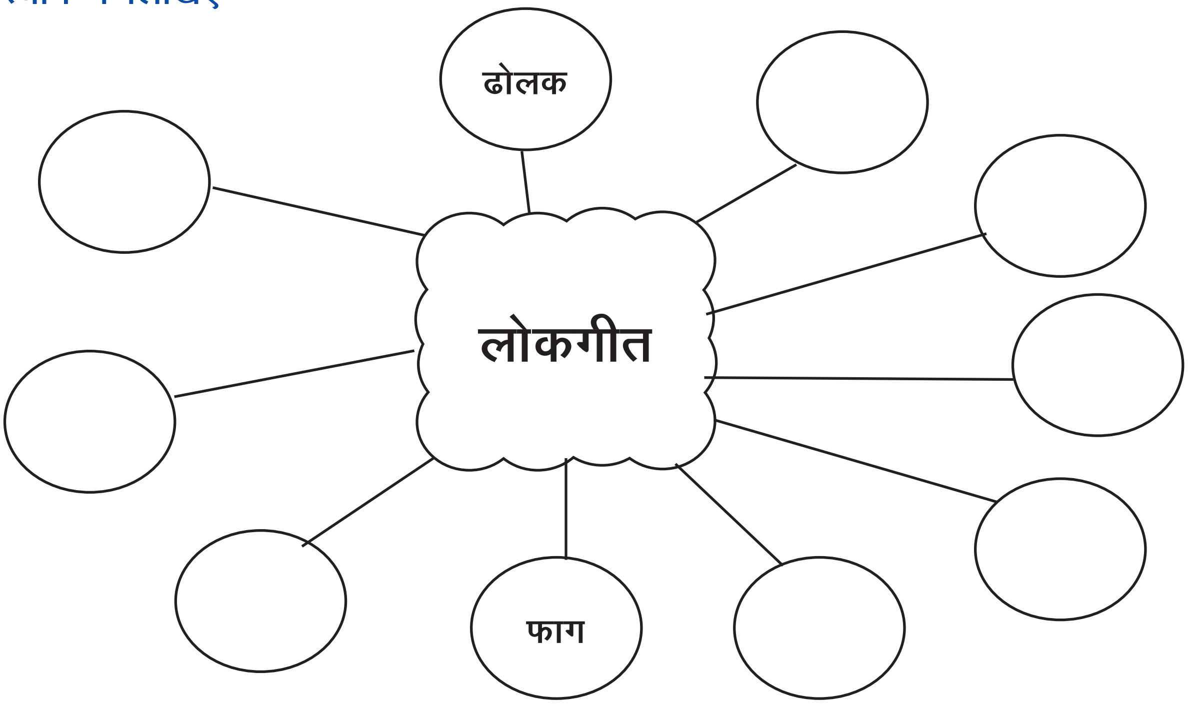

प्र०4 अपने साथियों के साथ मिलकर निम्न शब्दों को लेते हुए गीत की पांच पक्तियाँ लिखिए-

सावन, पपीहा, कोठे, सखी, झूला, बिजुरिया, बादल, वर्षा, लगुरिया, पिया

____

____

____

____

____

प्र०5 अपने साथियों के साथ मिलकर लिखिए कि उनके घर पर किन-किन अवसरों पर लोकगीत गाए जाते हैं?

______________________ ______________________

______________________ ______________________

______________________ ______________________

प्र०6 अपने अध्यापक/अध्यापिका की मदद से लोक नृत्य व उनके क्षेत्र से मिलान कीजिए

बिहू	पंजाब
गरबा	गुजरात
भांगड़ा	आसाम
कालबेलिया	महाराष्ट्र
लावणी	राजस्थान

प्र०7 "काल्हौ कूद पडयौ मेला में, साईकल पंचर कर डारयो.........अरररररर" अपने साथियों की मदद से पता कीजिए की यह लाकगीत कहां का है?

उत्तरः ____

____

प्र०8 लोकगीतों को उनके क्षेत्र से मिलान कीजिए

आल्हा।	राजस्थान
बाउल और भतियाली।	बंगाल
हीर और रांझा।	बनारस
ढोला मारू।	पंजाब
विदेशिया।	बुंदेलखंड
चैता।	बिहार

प्र०9 नीचे दिये गए स्थान में कुछ लोकगीतों की पंक्तियाँ लिखें।

विवाह के अवसर पर गाये जाने वाले

किसी त्यौहार पर गाए जाने वाले

प्र०10 नीचे लिखे शब्दों को स्त्रीलिंग व पुल्लिंग के चित्र में डालिए-

पिता जी, सखी, रानी, स्त्री, राजा, लडकियाँ, महाकवि, माता जी, लेखिका, जादूगर, सिंहनी, पंकज, मौसी

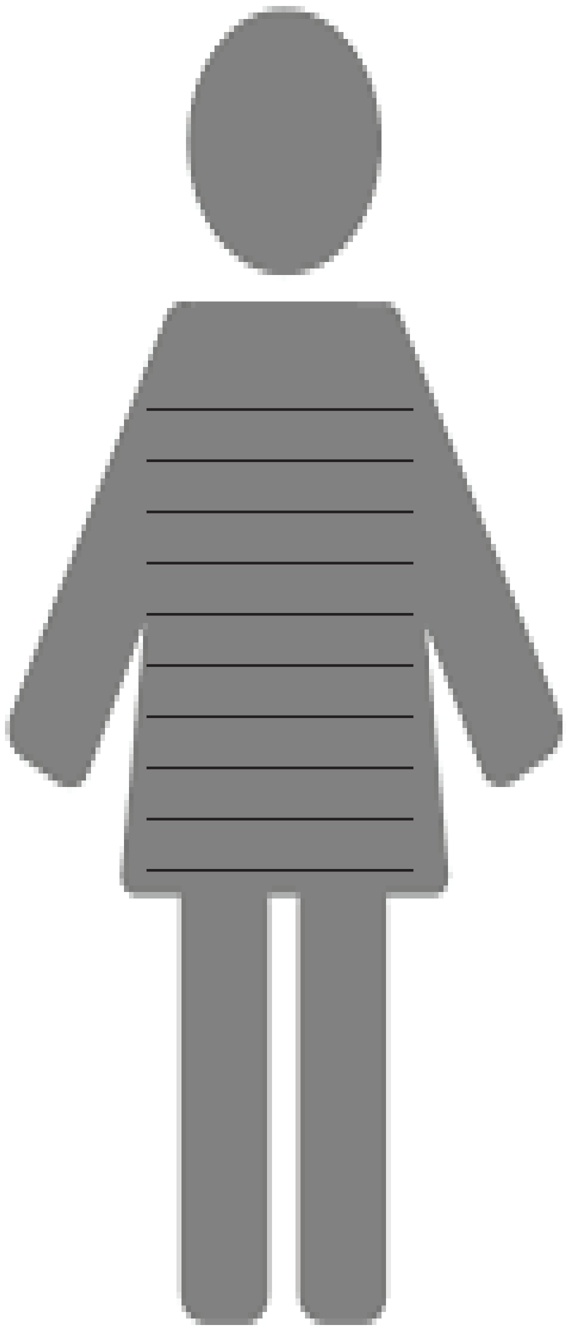

स्त्रीलिंग

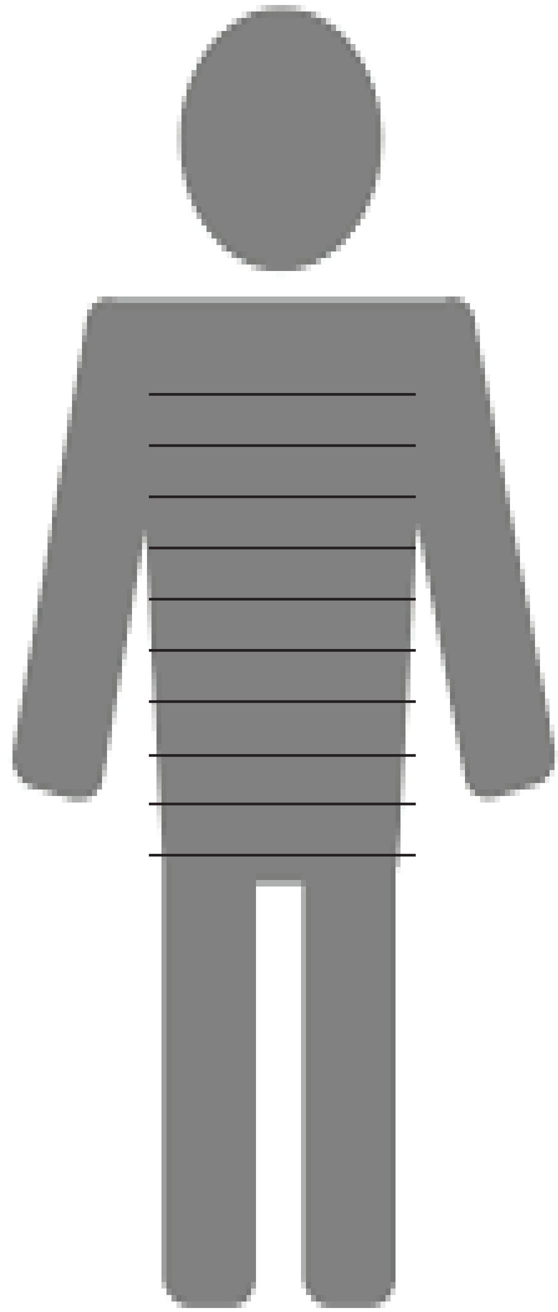

पुल्लिंग

प्र०11 खाली स्थान की पूर्ति करो-

(का, की, से, के लिए)

(1) मेरी देश _______ संस्कृति प्राचीन है।

(2) मोहन _______ घोड़ा बहुत तेज दौड़ता है।

(3) हम घर _________ विद्यालय जाते हैं।

(4) पिताजी माँ ___________ दवा लेकर आए।

(5) वह कार ___________ जयपुर गया।

प्र०12 लोक में शब्द जोड़कर नये शब्द बनाइए-

जैसे – लोकसभा

(1) लोक + __________________ = __________________

(2) लोक + __________________ = __________________

(3) लोक + __________________ = __________________

(4) लोक + __________________ = __________________

अधिगम संप्राप्ति

(क) अलग–अलग तरह की साधारण लिखित सामग्री को उपयुक्त हाव–भाव, गति व उतार–चढाव के साथ पढ़ते हैं।

(ख) भाषा की बारीकियों पर ध्यान रखते हुए उपयुक्त प्रयोग कर पाते हैं।

(ग) पाठ्यवस्तु को सरसरी तौर पर पढ़कर विषय वस्तु का अनुमान लगाते हैं।

(घ) पाठ्यवस्तु को पढ़कर विभिन्न सामाजिक मुद्दों को समझते हैं और उन पर चर्चा करते हैं।

बूझो तो जानें–
छोटे से दुर्गा दास
कपड़े पहने सौ पचास

पाठ 12

साँस साँस में बाँस

परिचय

दोस्तों, हम अपने आस पास जो कुछ भी देखते हैं वह या तो प्रकृति से मिला है या मानव द्वारा निर्मित है। मानव ने प्रकृति द्वारा दी गई सुविधाओं का अपने लाभ के लिए प्रयोग किया है, जैसे लकड़ी, लोहा, जल, आदि। “बाँस” भी इसी प्रकार मानव द्वारा प्रयोग में लाई जाने वाली अनोखी वस्तु है। बाँस से बनी अनेक हस्तनिर्मित वस्तुएँ आपने घर में अवश्य देखी होंगी। बाँस से बनी सीढ़ी तो लगभग हर बच्चे ने देखी ही होगी। बाँस से और क्या–क्या बनता है, एवं उसके विषय में जानने के लिए तो आपको पाठ पढ़ना होगा।

प्र०1 वर्ग पहेली में से ढूँढ़कर दिए गए शब्दों को पूर्ण करें। साथ ही इस पुस्तिका के पीछे दिये गए शब्दकोश में से अर्थ ढूँढ़कर लिखिए-

शब्द – अर्थ

उदाहरण

बहु________ ⟶ ________

समु________ ⟶ ________

भरण________ ⟶ ________

प्र________ ⟶ ________

तर________ ⟶ ________

स________ ⟶ ________

ग________ ⟶ ________

आ________ ⟶ ________

त________ ⟶ ________

प्र________ ⟶ ________

म________ ⟶ ________

ब	हु	ता	य	त	स	छ
त	को	म	जी	नी	मु	क्ष
र्ज	प्र	च	ल	न	दा	नी
नी	पी	स	त	ह	य	त
भ	र	ण	पो	ष	ण	र
गि	आ	स	न	झु	ग	की
ला	मि	प्र	क्रि	या	ठ	ब
म	स	ल	न	याँ	न	ह

प्र०2 भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र के सातों राज्यों (जिन्हें 'सात बहनें' भी कहा जाता है) में बाँस बहुत उगता है। इन सात राज्यों के नाम लिखिए:-

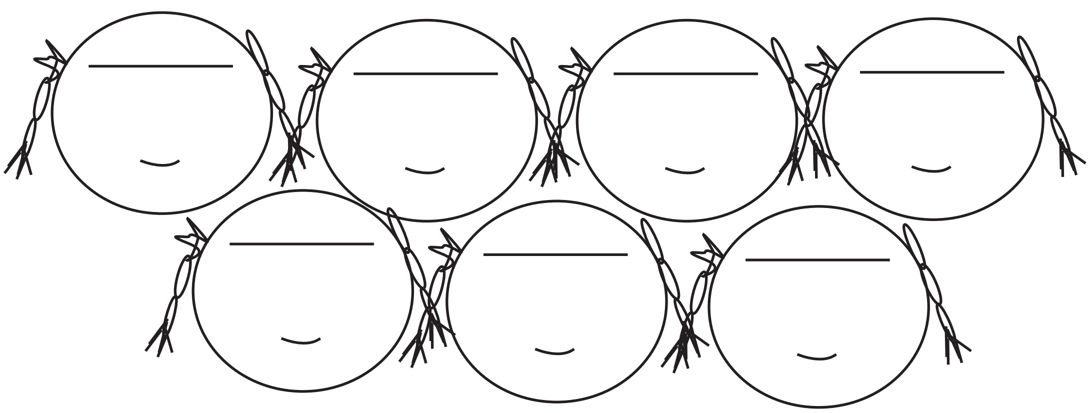

सात बहनें

प्र०3 ऊपर लिखे सातों राज्यों में बाँस के बहुत उगने के क्या कारण हो सकते हैं, लिखिए-

उत्तर–____

प्र०4 आपके घर में 'बाँस' से बनी कौन-कौन सी वस्तुएँ हैं?

उत्तर–________________

प्र०5 पाठ के अनुसार एक से तीन वर्ष की उम्र वाले बाँस को काटकर आवश्याकतानुसार वस्तुएँ बनाई जाती हैं। क्या सूखे बाँस से भी कुछ सामान बनाया जाता है? लिखे।

उत्तर–

प्र०6 हाथ से बनी वस्तुओं को 'हस्तनिर्मित' कहते हैं। ऐसी हस्तनिर्मित वस्तुओं की सूची बनाएँ।

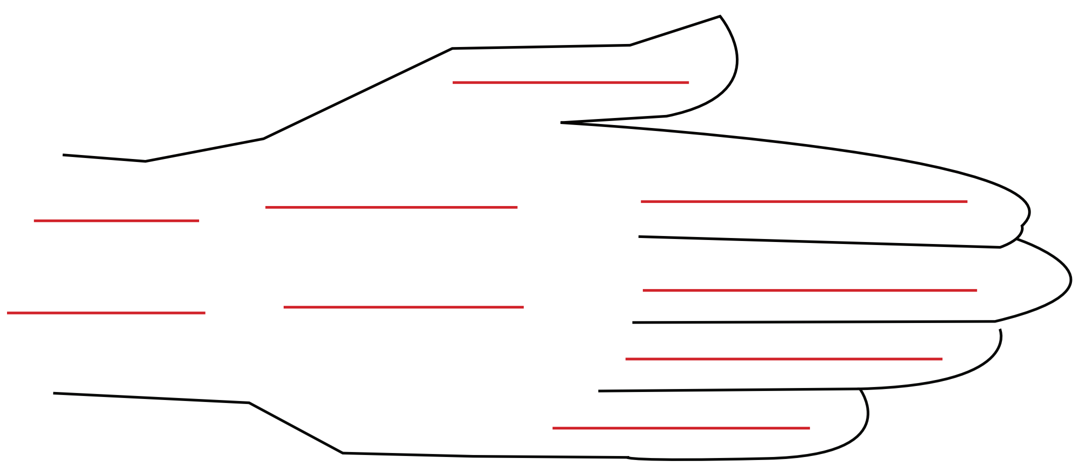

प्र०7 बाँस से बनी निम्न वस्तुओं के नाम लिखो-

____

____

____

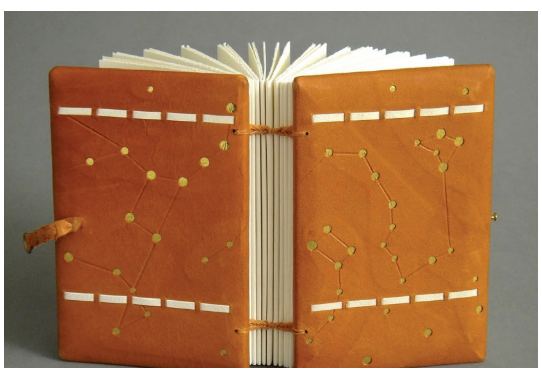

____

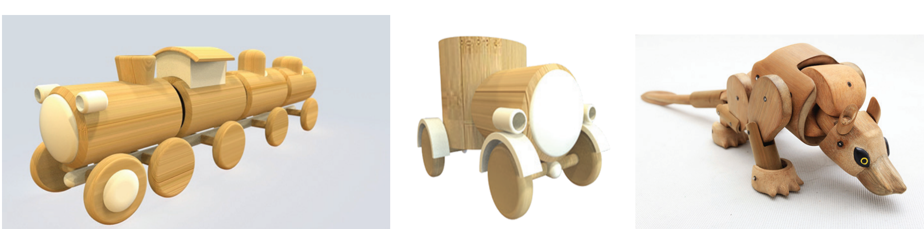

____

प्र०8 रिक्त स्थानों में शब्द पिटारे से छाँटकर लिखो-

एक इंच, सख्त, दाओ, जिकाई
गुड़हल, इयली, अंडाकार

(क) छोटी मछलियों को पकड़ने के जाल को असम में __________ कहा जाता है।

(ख) इस शंकु के आकार के जाल का ऊपरी सिरा ____________ होता है।

(ग) निचले नुकीले सिरे पर ___________ एक दूसरे में गुँथी होती है।

(घ) खपच्चियों की रंगाई के लिए ज्यादातर __________ और ________________ की पत्तियों का उपयोग किया जाता है।

(ङ) बूढ़े बाँस _________________ होते हैं और टूट भी जाते हैं।

(च) खपच्चियों की चौड़ाई _____________ से ज्यादा नहीं होती है।

(छ) खपच्चियाँ छिलने वाले चाकू को __________________ कहते हैं।

प्र०9 विलोम शब्द लिखो-

शाम ✕

एक ✕

चौड़ाई ✕

उतार ✕

स्वस्थ ✕

योग्य ✕

लचीला ✕

बुरा ✕

स्वच्छ ✕

अमीर ✕

प्रत्यय

ऐसे शब्दांश जो मूल शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ को बदल देते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं।
जैसे :- 'ता' - दास + ता = दासता

कुछ मुख्य प्रत्यय हैं – ता, इन, आहट, आवट, आई, दार, आ, वान, मान, इय, वाला, ईक

प्र०10 निम्न प्रत्ययों से दो-दो शब्द बनाएँ-

इय	दर्शनीय		
पन	अपनापन		
आहट	घबराहट		
इक	धार्मिक		
वान	पहलवान		
वाला	फलवाला		
कार	कलाकार		
आई	मिठाई		
दार	दुकानदार		
ता	सफलता		

प्र०11 निम्न वर्णों को जोड़कर अधिक से अधिक शब्द बनाएँ।

टो	पी	सी	ढ़ी
क	जा	ल	च
री	झा	डू	टा
चा	र	पा	ई

_______________ _______________ _______________ _______________

_______________ _______________ _______________ _______________

_______________ _______________ _______________ _______________

_______________ _______________ _______________ _______________

क्रिया

जिन शब्दों से किसी काम का करना या होना पता चले, उसे क्रिया कहते हैं।

जैसे – मोहन खेलता है।

– सीता सेब खाती है।

यहाँ 'खेलता' व 'खाती' क्रिया शब्द हैं।

कुछ प्रमुख क्रियाएँ– खेलना, पढ़ना, खाना, दौड़ना, बैठना, रोना, जाना, लिखना, आदि

प्र०12 आप भी कुछ अन्य क्रियाओं को वाक्य में लिखें !

____

____

____

____

प्र०13 निम्न वाक्यों को उचित क्रिया शब्दों द्वारा पूर्ण करें।

बोलो
खेला
पढो
खाओ
दौड़ना
लिखो

पुस्तक को ________ ।

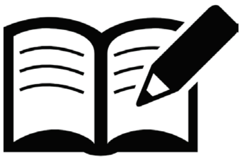

कॉपी में निबंध ________।

बच्चों ने बैडमिंटन ________।

सदा सच ________।

सुबह ________ स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।

आओ, खाना ________।

प्र०14 निम्न वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखें-

1)	जो मिट्टी के बर्तन बनाए।	कुम्हार
2)	जो सोने के गहने बनाए।	
3)	जो लोहे के औजार बनाए।	
4)	जो चमड़े का काम करें।	
5)	जो कपड़ों की सिलाई करें।	
6)	जो कपडों की रंगााई करें।	
7)	जो कभी न मरे।	
8)	जो कभी बूढा न हो।	
9)	सप्ताह में एक बार।	
10)	माह में एक बार।	

अधिगम संप्राप्ति

(क) पाठ्यवस्तु पढ़कर विषयवस्तु का अनुमान लगाते हैं।
(ख) भाषा की बारीकियों को ध्यान में रखते हुए शब्दों का अर्थानुसार, प्रत्यय, वाक्यांश आदि का प्रयोग करते हैं।
(ग) विषयवस्तु को समझकर आपस में चर्चा करते हैं।
(घ) भौगोलिक रूप से विविध क्षेत्रों के रहन–सहन का अनुमान लगाते हैं।
(ङ) पाठ का सार अपने शब्दों में लिखते हैं।

बुझो तो जानें–
ना मारा ना खून किया
बीसों का सिर काट दिया

मेरा अपना शब्दकोश

अंतरतम – आत्मीय, निकटतम

अगुवा – आगे जाने वाला, मुखिया

अचरज – आश्चर्य, हैरानी

अट्टहास – ठहाके की हँसी

अधीर – बेचैन, व्याकुल

अन्न – अनाज

अनंत – जिसका अंत न हो, असीम

अनादि – जिसका आदि न हो

अनादिकाल – जो सदा से चला आ रहा हो

अपार – असीम, असंख्य

अमित – असीम, बहुत अधिक

अश्रुपूर्ण – आँसुओं के साथ

अविनाशी – नाश न होने वाला

अस्तित्व – वजूद होना

आदी – आदत होना

आनंदित – सुखी

आनंददायक – सुख देने वाला

आराध्य – पूजनीय

आरामदेह – आराम देने वाला

आश्वासन – दिलासा

आस – आशा, स्थिति

आसन – स्थिति, बैठने का ढंग

आहत – चोट खाया हुआ

उत्सुक – इच्छुक

उदित – उन्नत, कहा हुआ, उदय

उधेड़बुन – चिन्ता, उपाय

उपेक्षा – अनादर

ओजस्वी – प्रभावपूर्ण, शक्तिशाली

कंठ – गला

कफ़ – कमीज़ के आस्तीन का छोर जिसमें बटन लगता है।

कमतर – कम महत्त्वपूर्ण

करुणा – दया, कृपा

कल्पना – अनुमान

कसमल – एक पहाड़ी फल

काफ़ल – एक पहाड़ी फल

कार्निस – छज्जा

कालपी – स्थान का नाम (झांसी के पास)

कॉलर – कमीज़ में गले वाला भाग

कृतज्ञ – उपकार को मानने वाला

कृत्रिम – बनावटी

कोरस	–	वृंदगान, समवेत गान
कौलिक	–	पेन की ब्रान्ड
क्षमता	–	सामर्थ्य, कार्य करने की योग्यता
खपच्ची	–	बाँस की तीली
खिलवार	–	खेल
खीझना	–	झुँझलाना
खोंस	–	दबाना छिपाते हुए
गठान	–	गाँठें
ग्रामोफोन	–	संगीत सुनने का प्राचीन यन्त्र
गरबीली	–	गर्व करने वाली
चंद्रोदय	–	चाँद दिखना
चलन	–	चाल, व्यवहार, रीति
चाव	–	चाह, लालसा
चेती	–	सजग
छलती	–	धोखा देती
जमघट	–	लोगों की भीड़
जाखू	–	शिमला में स्थित एक मन्दिर
जिज्ञासा	–	जानने की इच्छा
जुंडी	–	जौ और बाजरे की बालियाँ
ज्यौनार	–	जीमने–जिमाने का रिवाज़

ज्वाला	–	आग
टटोलकर	–	खोजकर, ढूँढ़कर
ट्यूनिक	–	कुर्त्ता
ट्रंक	–	बड़ा संदूक
तमतमाना	–	गुस्सा होना
तरकीब	–	उपाय, तरीका
तर्जनी	–	अँगूठे के पास की हाथ की अँगुली
तादाद	–	संख्या
तीखा	–	पैना, तेज
थमा	–	पकड़ा
दराज़	–	अलमारी, मेज आदि में सरकाने वाला खाना
दल	–	समूह
दिलचस्पियाँ	–	रूचि, शौक
दुर्ग	–	किला
द्योतक	–	प्रतीक
निरा	–	केवल, बिना मिलावट का
पगडंडी	–	खेत में पैदल चलने वालों के लिए बना पतला रास्ता
परिवर्तन	–	बदलाव
पाइंट (अंग्रेजी–शब्द)		बिन्दु

पीढ़ी	–	एक मनुष्य से लेकर उसकी सन्तान तक का क्रम
पुरखों	–	पूर्वज, कुल या वंश के वृद्ध
पुलकित	–	खुशी से गद्गद्, खुश
प्रकाशित	–	प्रकाश में आना, जो छप गया हो, छपना
प्रक्रिया	–	युक्ति, विधि, कार्य करने का तरीका
प्रचलन	–	अधिक चलन होना
प्रस्ताव	–	भूमिका, परिचय, सामने रखी हुई बात
फ़ौलादी	–	कड़ा या मज़बूत
बघारी	–	बढ़ा–चढ़ा कर दिखाना
बहुतायत	–	अधिकता, ज़्यादा
बिसात	–	फैलाव
भरण–पोषण	–	पालना–पोसना
भवानी	–	देवी का रूप
भिन्न	–	अलग
मखमली	–	मखमल का, मुलायम
मटकोड़	–	रिवाज़ विशेष
मधुर	–	मीठा
मसलन	–	उदाहरण स्वरूप, जैसे
मितली	–	कै आना, उल्टी आना
मुख	–	मुँह
मुखड़े	–	चेहरा
मुग्ध	–	मोह में पड़ा, लीन
मुदित	–	प्रसन्न, खुश
यकायक	–	अचानक
यज्ञ	–	पूजन
रानिवासों	–	महल में रानियों के रहने का स्थान
रिज	–	हरी–भरी पहाड़ी चोटी
रोज़मर्रा	–	प्रतिदिन
रौनक	–	चमक, शोभा
लोकप्रिय	–	लोगों में प्रसिद्ध या प्रचलित
लोच	–	लचक, कोमलता
वाकई	–	वास्तव में
वास्तव	–	सचमुच
विकास	–	उन्नति
विधि	–	काम करने का तरीका, व्यवस्था
विरह	–	अलग होने का दुख

विविध	–	अनेक प्रकार
विषम	–	जो समान न हो, कठिन भयंकर
वीरवर	–	बलवान व्यक्ति
वैभव	–	महिमा
व्यक्त	–	प्रकट
संकेत	–	इशारा
संग्रह	–	एकत्र करना, संकलन
संतोषी	–	संतुष्ट
संयोग	–	मेल, एक में मिलना
सज्जित	–	सजा हुआ
सतह	–	तल, परत
सभ्य	–	जिसका आचरण अच्छा हो
समुदाय	–	अलग–अलग वर्गों का समूह
सयाना	–	चतुर, समझदार
सरपंच	–	पंचायत का मुखिया
सहमी	–	डरी हुई
सहज	–	आसान, सरल
सहसा	–	अचानक
साधना	–	पक्का करना, उपासना
साहित्य	–	गद्य–पद्य, एकत्र होना
सिटकनी	–	दरवाज़े या खिड़की पर लगी चिटकनी
सुखद	–	सुख देने वाला
सुध	–	याद होना, पता होना
सुभीते	–	अच्छा समय
सुलगााई	–	जलाई
सेती	–	अंडे से चूज़ा बनने की प्रक्रिया
सैन्य	–	सेना–संबंधी
सोटी	–	पतली–डंडी
स्कैंडल (अंग्रेजी शब्द)	–	षड्यंत्र
स्नेह	–	प्रेम
स्पर्श	–	छूना
स्रोत	–	उद्‌गम
स्वीकृत	–	माना हुआ, स्वीकार किया हुआ
हृष्ट–पुष्ट	–	स्वस्थ
ह्रास	–	कमी, कम होना

नोट्स

नोट्स